





ॐ नमः श्रीगणपतये ॥ अथ मानन्द (गविन्द) नामाञ्चावली ॥ १ ॥ अनर्थं सुखं सत्त्वात्मानं सत्यं सत्यं
 वदामहे ॥ १ ॥ आदित्यं दायदिविष्णुं दधुयाणिमिह ध्रुवं । यं वदन्त्यः सन्नित्यं यो धिं न स्यात्
 विनाशयत् ॥ २ ॥ वसाय न वसिष्ठा नां दवानां ममुनायमं । वददकारुमना गानां ले
 मश्च मिदमेतुना ॥ ३ ॥ अथ न विदिवा दासः काशिवाजस्तथा धिनी । न कुलसदृशदध
 न केन वा विद्यायका ॥ ० ॥ वागी अथ न कलयत्यथ धनं (धनं) कश्चिन् ॥ ॥
 नमो अथ न वयः ॥ कवत्था गुप्तसुखा । धमनी जीवसद्विणी । वदन्त्या सूर्यदूःखं ॥ सर्वं रूपं कायस्य
 यं पुनः ॥ नाडी धर्ममवृत्तं जलोकास्यथा गतिं ॥ ललाथया कालाया हासं नाडी जीवया

दि

प्रनिहाल्य त्वं तथा वमिः। कं (अ) क म र व ना श नां या क ४ ख द ध जा य न ॥ क व नी क व ग क ल काला यः
नयुः क उ गि नि सा ना न रु द व उा किलि द य कं १ स क थ स क्रा स स क क व य च ल नी हा य ॥ ॥
यला ला व क क र ना मू का दा दा म द मू वा ॥ यी ते वि लू ग भ ग त्वं यो कि क उ म न व व ॥ ना ध द न
युः क थ या ल लं (ग) उ म कि य रु य थ लि न का व थ या स वा व वि दू नां मू ग नां मि र वा ना न २
युः यि रु द न स यि क ॥ स ४ प्र ॥ यि रु द न य वि कि क ॥ दू वा ल र ख क न र वा ठा मू स ध न दा स ना
द न यि रु द ल ना श ॥ १ ॥ दू काल स का थ य व उ काल दा स दू सि या के व व क व न न गी र उ
दू कि मि कि स स ४ वा व दा स ना द न यि रु द न ना श ॥ १ ॥ दू ला ल र ख क न प्रि यं गु र वा ठा

जा उ स क र क म स उ ध न ल र व न न स ना न कं यि रु द न ना श ॥ १ ॥ सा र व उ काल वं ग ला व न वा
य ल र व मि डि स या क क दू वा ल र नू य क श व शु क म्मा ल ल र व द व थ न क स्ती न वा ल न न यि
रु द न ना श ॥ १ ॥ उ काल र ख क न मू क अं व ल स म रा ग क स्ती न वा ल न कं यि रु द न ना श
॥ वि रु ला न व न यि य लि प्रि यं गु ध व स म रा ग सा र व व ल वा ल न स का थ य नां यि रु द न ना
ना श ॥ १ ॥  ॥ प्र षा क व य नाः ति ॥ दं स या ना व न गु ति व रु प्र षा य का य न ४ ॥
दं स दा या (थं) व उ र व नि दा या थं स न य प्र षा का य ना श ॥ १ ॥ मे मि थ मि मि ना व ग आ ल स
म थ वा स ना ॥ शु क मू य वी ष त्वं न मू ह कि व थ यि वा ॥ मू थ न क्रा स न मि र वा न ला उ र वा

३

यीराय, या कयडुनकया, थं, रुचरुवधाय, अलायदाय, कथुवाक, मुणविवाहाय, कं, कं, कं
 नमयव, ॥ ॥ (गोवर्धनीनमूकं, का, बामदधोमिनिदना, यवि, यो, था, १, ववि, ४, का, १, ४, क, रु, उ, का
 धुगुका, ॥ कं, म, उ, र, द्वा, क, थं, व, स्या, था, नवय, विमकं, क, उ, व, य, क, उ, द, य, का, स, द, उ, रु
 उधाय, वविमद, भासा, क, द्वा, य, मि, र, वा, न, य, (धु, क, स, ॥ ॥ (धु, म, द्वा, न, य, वि, कि, क्का, ॥ क, क, ३
 हासि, रु, यि, य, लि, वं, १, ला, व, न, अ, नि, थ, स, सम, रा, ग, क, सि, न, वा, ल, न, कं, (धु, म, द्वा, न, य, न, १
 ॥ ७ ॥ यु, क्क, वा, मूल, कं, ०, गि, वि, धु, ०, उ, उ, य, यि, य, लि, म, स, ॥ व, व, ल, ख, न, न, स्या, न, म, कं, (धु, म, द्वा, न, य, न, १
 न, १, ॥ ७ ॥ मि, दि, स, यि, य, लि, क, कं, हा, सि, सम, रा, क, सि, न, वा, ल, न, कं, (धु, म, द्वा, न, य, न, १, ॥ ७ ॥

दि, य, लि, रु, ल, उ, यु, क्क, वा, मूल, क, उ, व, स, क, व, सम, रा, ग, क, सि, न, वा, ल, न, स्या, (धु, म, द्वा, न, य, न, १, ॥ ७ ॥ ना
 ली, न, या, त, क, धु, क, म्हा, ल, नू, य, क, न, व, ल, वं, ग, वा, व, सम, रा, ग, क, सि, न, वा, ल, न, स्या, (धु, म, द्वा, न, य, न, १, ॥ ७ ॥ ना
 १ ॥ धु, ०, म, स, १, यि, य, लि, म, स, १, म, व, व, म, स, १, (ग, ७, उ, म, स, ४, न, म, स, २, ध, व, न, स्या, का, वृ, धु, दि, म,
 ला, ल, य, ठ, स्या, ल, (धु, म, य, उ, लि, म, स, व, अ, नी, लि, च, ॥ ॥ ॥ द्वा, ल, क, ल, ग, ना, ती, सा, स, वा, द्वा,
 द्वा, दि, ली, ॥ न, ग, न, ना, या, ल, क, ल, द्वा, न, द्वा, व, द्वा, दि, नी, ना, ती, ध, य, ॥ वा, न, वा, यि, रु, वा, या, ल,
 रु, ल, उ, व, द्वा, व, वा, न, यि, रु, ना, ती, ॥ ७ ॥ ॥ रु, क्क, मू, क्क, उ, मा, क, रु, ४, स, य, ना, १, ४, लि, वा, वृ, जा, ४, क, ठा, स्या,
 (धु, म, य, म, धु, वा, म, रु, धा, वृ, वि, स, म, ४ ॥ य्या, स, वा, य, ली, (ग, ७, उ, म, क्क, न, य, यि, क, रु, य, क, उ, म, वा, म,

४ लवङ्गवर्ग, पुष्पमाल, दुर्गाल, कर्कटार्ति, युष्कवापुल, मलवमुक्त

विंयलिर्मं ३ पुं ३ लवङ्गवर्ग ३ पुं कम्पाल ३ पातक ३ धननवकि साखन नवकि, नस्यं वागयिहनी
नवकि नव, अग्निकन, ॥ १ ॥ विंयलि, आठसं, साखन, कृताकाठ, कस्मीनवालनस्यं वागयिहनी
ग, ॥ १ ॥ श्रीरवपु, बाल, वंशलावन, विं
० यव, मुक्त, उगलका, ययं, लवङ्ग
रुवव, कालीस, जीविहल, साखननव
वायावा, नमालकलदाव, वात (धूमनाडीसथ) ॥ ॥ नेमिथं यव्वं रुका, निदा (मोववभव
वाशिवाग्रु ४ यनिग्याय ४ कास ४ स्वादायवर्गन ॥ संगायामध्यावगध, वात (धूमनाडीकनि ४ ॥ २

(वात धूमना)

दास, कथ, मिरवान, लाउ, की, धावी, हाय, अठि, आठि, स्याय, कठकय, कं, आठ, माठ, स्याक, कास
रुठ, रुठ, धाव, मासाकवव, चलनीमहाव, रुवमध्यावगधय, वात (धूमनालकल) ॥ ॥ वा
त (धूमनायविकित्सा) ॥ ॥ जीविहल, पुष्प
कवव, समराग, कस्मीनवालनकं, वा
ल, वरुलउ, धनकस्मीनवालनकं, वा
लासं, विकट, कस्मीनवालनकं, वात (धूमनाग) ॥ १ ॥ पुं ३ विंयलि, रुलउ, अठ
त (धूमनाग) ॥ ३ ॥ दुर्गाल, युष्कवापुल, कर्क
टार्ति, वंशलावन, लवङ्गवर्ग, पातक, पुष्पमाल, कृठ, समराग, कस्मीनवालनस्यं वात (धूमना

॥ ७ ॥ कठिगिबिउउउ सुठियुसुवामूल धनसमरागयाळ लंखयमलान कुमलादय
 क काथदासगानक वात (ध्यानाग) ॥ ७ ॥ यियलि यियलासूल सिंयि चक सुठिसम
 रागकफीनवालनक वात (ध्यानाग) ॥ ७ ॥ यूसुवामूल ०० नुयव यियलि सुठि
 माल कफीनवालनक वात (ध्यानाग) ॥ ७ ॥ यिरु (ध्यानाग) ॥ ७ ॥ यिरु (ध्यानाग) ॥ ७ ॥
 यिरुयाना (ध्यानाग) नमालकणदा
 लिमिकासाय १ गदा माकाका (ग) ॥ ७ ॥ वविसुवा मूकदादा मूक ४ गीत ४ (ध्यानाग) वाकनि
 ॥ ७ ॥ सुथसवाठानयलाथीनय आलाकानवनय सबसवदाय मासाकवय वविमइया

॥ यिरु (ध्यानाग) ॥

सवाय ॥ ७ ॥ रुमसमथाय उमुना विहिनवनय यिरु (ध्यानाग) विदुधन ॥ ७ ॥ यिरु (ध्यानाग)
 या विहिसा ॥ ७ ॥ उकाल उगलदा मूक दनाल क धनकाथदासगानक यिरु (ध्यानाग)
 वनाग ॥ ७ ॥ मूक सकन वाल उगल
 य यिरु (ध्यानाग) ॥ ७ ॥ विह
 फीनवालनक यिरु (ध्यानाग) ॥
 नमराग सायववकि उगलववकि मस १ ॥ ७ ॥ विहिनयति कफीनवालनक यिरु (ध्यानाग)
 ॥ ७ ॥ यियं गु लवदवव गुकमाल यातक मूक विठिस ०० यिपिदि यियलि यूसुवा

दुल दुबालंरु, समरुग, कसीनवालनकं, यिरु (धुष्मनाग) ॥ ७ ॥ लवद वव, शु कयालया
 मक, यियलि, ककू हासि, कउवयक वू, युक्त नामूल, समरुग, कसीनवालनकं यिरु (धुष्म
 नाग) ॥ ७ ॥ दुबालंरु, यियलि, ककू हासि, मूक, यियलु, युक्त नामूल, लवद वव, शु क
 न्याल, यागक, धन, उगवण वकि सारव
 ग ॥ ७ ॥ लवद वव, शु कयाल, याग
 लनकं, यिरु (धुष्म वनाग) ॥ ७ ॥ लावानिकि विवलीका, गमनं सनियानक, न कदावित्तन
 नमना, कदाविषगवादिपी ॥ विदोषकायनाकू या, रुकि वरुन विरु ना ॥ लवा, दिवव, वहु, व

१ सीनेयागया

द (थं वं नू, (गाकि नववस, सावाकानवय, (गाकि नववस, वगनवय ॥ उदातु ना, र्वनमदाय
 उदातु नरव, मदाय, विदाव कायवयु या ना ती विदु सय ॥ ७ ॥ गिरसा ला ० नं रुका, निदाना
 ददिवथा, धरु मूयुवीयाणां, विवादल
 का ० नां ध्याव वका नां मलुलानां व
 विवा त्याक धुदायाणां, सन्नियानकू वा
 ध्याक, वलमीनां, मूयुनां, विद्यानां गाननी विरुयथा व र्वनदयुव ॥ अनी मंगवक ० म
 रुत रुतमिन्व, ववस्य का देस्य वा कवाक, हागा कना, का ० र्वनदयु ॥ उउतायमून, मूथु

यनाशुयकडुलद ॥ ७ ॥ ककुवसकव क कटासि यागक नयकशव लवद मवव विवि
 लिदुमालरु यक नामूल रुक जीवि साखव समराग कलीनवालनक रिदायनाश ॥ ७ ॥
 गठरु बसायालुगीनवालवर्गव ॥ ॥ लवद शुक्रमाल विंयलि गिरुलासमरा
 ग कलीनवालनक रिदायनाश ॥ ७ ॥ लवद ककीला आति
 कास यागक नयकशव यवकश
 वाल जयुवि साखवदुगायायुयभु ३२ वसलावनवि ३५ कलीनवालनक रिदायना
 श मेममलवगदिधर्ग ॥ ॥ मिदसे दागक वाल खकन विंयलि क कटासि नयक

नय शुक्रमाल नवदलक गिरुला यक नामूल अतिथ स वृमालरु समराग कलीनवाल
 नक सनिदयनाश ॥ ॥ लवद ककीलाशीखरु वसलावन लवद सव शुक्रमाल यागक
 नयकशव मलव विंयलि गिरु
 उविठक नदरु वाल जठामासिवा
 व कलीनवाल रिदायनाश ॥ ७ ॥
 नसरु कासहिक यगुलहद मकायलाथो रुमदारुययथु विसयगुल्लादव मायेवद
 नी ॥ योभाययखाद तदिद्यमीवर्ग याथीय मभाकरुल वदधु ॥ सल्लरुवत्युधश कोवनि

शिरःसखा नददं मनिहिवे वायथा ॥ रिदायमाक, ससक, कासदुदुदुवाव, वास, दिक्, लू
ला उगा क, गल सयी उवयु, लू (मा उम विंश भाट्ट, यिक, देय, गाक क क, उ आद नमाव क
अग्निवर्द्धनया क, नो, यिक, देय
लायु, ससक उवसा, यूप्य, नीवयाद
गनु क, रिदायमा (धनाना का न स
थ उ व म नी, साका व ग व नी क, रग, काम को आद ग व नी, की ला विना क य पू गा ॥ रुद्र का द व व
काव का द व, ना उ व ग न स न य, कामा स क स को व स व ग न स न य, विना स, काली न उ की

10

न, न क स स न य ॥ रुगा रि व द्वा द द (मा, दा स बा द न क य न, काम को क रु या दा य ४ का आलि
रुं गु था म ला ४ ॥ रुगा रि व द्वा क या नि रु गा रि व द्वा क व उ द ग रु ल य, र्वा य, काम स को क स
रु य स, वा य उ व ल, का व स यि रु य व
क ल ध न ॥ ॥ अ वि द ल क ल ना उ
ली, अ ति की ला व नी गा व जी व न द न स
न, न क स, र्वा द स, की ला या द व द व य ना उ, ला ल क नि ला व य, ध न जी व मा व क य ॥ ध न ली
काल ल न ला थ ॥ नि ला दा दा रु व द्वा स, दि वा न य यो आ य न, क रु य वि न क ० स, न स य रु रु

विद्यानि॥ नाति सदम दम अस्मदयु दिनसविकु र्वादु कं ० स (धु) अ (धु) वी उ वू थ थि धु वा गा
 म्पु रुयु ॥ ॥ अनिला याति विरुं व वि का या गि क रुं गृ दं क रु स्य कं ० मा सृ थ द ल रं ग
 स्य जीवनी॥ वात विरु था दा ० य व नी विरु (धु) अ या ० य व नी (धु) अ कं ० स यी उ व य था
 न दा व ध भा गी मृ य रु य ॥ ॥ द द य अ ग था ना सा या गि या क्षी य शी ग लं शि व सा दा रु व द्य ॥
 स ग स्य मृ य रु विद्यानि॥ लं (ग) उ नी द्रा स नी ० ला नी र्वा दी व मा उ स कौ रु का का द थान
 दा व ध भा गी मृ य रु य ॥ ॥ रु का व ४ शी ग ला य स्य मृ का व अ भि स नि रं म हा दा हा रु व द्य स्य ग स्य
 मृ य रु विद्यानि॥ स्य सद का व र्वा द् रु का व म थै को क कं द रु द रु वा व रु न दा व ध भा गी मृ

व क म जी वा ॥ ७ ॥ रु व स दा रु व द्य स्य म स्व स्य स व रु नं अ व ना ठी अ ना वा द ४ सा यि का ल वि
 ला कि ग ४ रु व य वा व कं न य य ल गी ला या व मृ थु स स्य स व द व य ना ठी द ल ४ वि न क स्य र्वा द स्य
 अ ना वा द रु न दा व ध भा गी म्वा व कं म जी व नी विरु था दा रु व द्य स्य ग स्य मृ य रु वि
 लं शि व सा था रु व द्य स्य ग स्य मृ य रु वि य रु य ॥ ॥ अ व नी क व र्थ व वि क
 म धु लं ॥ अ व नी रु व कि द्वा क व नी शी ग मृ य रु रु व नी (धु) य द रु या गा न का मा रु म धु लं ॥ थ व म
 ज्ञे स वा मि स न गु ति या दा न न ग ति ध ग र्व न म रु ग दा व सी य ॥ ७ ॥ ८ ॥ उ द्वा द रु व द्य

स. मुख्यवर्ककुमावर्ण। ॐ न्दिथालकलयस्य नस्यमृष्टरुविश्रानि ॥ (मानवागीयामहाकुरुबदाव
 खाल, कनडी कथी ककुमवर्णकुरु। ॐ न्दीदाकायाभजमदाय, धवागीसावकमद ॥ २ ॥ ककुलि
 नीयीशुनयस्य, वातादावनिर्वधनी। आ दावादशुनयस्य, सवर्षणविनशानिथानाहिसया
 उवय, वागन आदाववधयागदाव, अ नयाकमकुबदाव, दंदिनकाणीय ॥ ॥ वावावि
 दसमधेव, यतिनयमदीनल। सकादा जायनमृष्ट ४ कालरुनयकाविन ॥ निसदनस
 लखवृष्टिथकुरु, वावायुमापीथकुरु सशक, खनदाव, कसकुरुमा मृष्टकुरुयुवास्थकालरुन
 सकाया ॥ ॥ धनीवतायविनायकीवृष्टिचविचुवण। यदिमीसेवसोसापी, वलीयनयमाल

12

य ॥ कुरुवधमद्यलधनीवविचुदनवृष्टयादववदाव, वलानकाणीय ॥ ॥ अशकायापुवर्णस्य
 वदनासाससंयुग ४ वलययतिननिर्य, मासभकववैजीवनि ॥ दापुवर्णयासामर्थहीन, कस्य
 साभयथादन, वलकीणयादववदा वलकीनकाणीय ॥ ॥ सीमाद्विरुवद्यस्य, धा
 गावकागथेवव। शुदशानिर्कवद्यस्य सायिसा (ध्यानसंघाय ४) लिदनमिखाथांठाले (ध
 गावदनाडीदृष्टकुरु, कुरायाववनकुरु कुरुल, अयामविकाचमकुरुल, धवागीसावद
 वख ॥ ॥ यालियादीरुवदकुरु, दाद्यसल्यगव ४ सुग ४ डिक्काकामलगजानि, सवागीनविनशानि ॥
 लालुम्वदयुगवठमद, भसावदास्यनायुधवागीमगीन ४ ॥ निडासीमरुवद्यस्य, धनीवउरु

मंगथा। ॐ न्दियानियुसन्नानि सभागीनविनष्टानि॥ वाक्क उदवर्गनीवममल ॐ न्दीसमस्तं ग उदव
 थ(थं)कृष्णलभागीलियमरुग॥ ॥ द्विददीभाकभयस्य नासासासयवर्कं। कं० विकरुदीनष्ट
 सभागीनविनष्टानि॥ कवसयलगीरुच्य नमवृत्तासकासनवदवय (धृष्णपकं० सयीउ
 मद्रधभागीलियमरुग॥ ॥ धनन्यस कलयस्य गन्धसादहृष्टवर्ग। कलायुचिगव १३
 धृष्णसजीवतागुसंशय॥ धननाआदि नगन्धसादवृकावथरुहालं कं० सधवकलान
 वदवयगालं धभागीसायुख॥ ॥ भावउंरुयउंवाक्क सल्लयालंघनंयुव। उलिभखाकवय
 स्यसजीवतागुसंशय॥ डीसत्रसभाभववनश्रुत्य अन्नलंघनमयाक धनभखानभागीलिय

(धननकाजियी स्यात्तु या संय

मरुग॥ ० ॥ अंगकंथाकवयस्य अन्नयविष्टानि। हृदयददुगतयस्य साविकालविलाकिग
 शाङ्गीताक अन्ननया(थं)काउव हृदयसदृश्य धभागीकालदीना॥ ७ ॥ संपूर्णवदगस्यसा
 मयवनदृष्टानं। यकणजायगमृत् ४ कालरूपनयुहावित॥ संपूर्णसूर्यमण्डलनीयनु
 मधुलनां खंउयादथादखनदावसं यूर्णमखनदाववालद्वीनहाणीयु॥ ॥
 हियमकवयाखंकाथ॥ निर्यसंगतका वाताल्लिरादकादिकामग॥ (धृष्णविकरुगीय
 ४स्यात्सन्निधातुर्थकं॥ वागनववविक्रितकंवय चिरुनचक्रुअंगवसवयु (धृष्णपकं० अ
 गवसवयु यद्रुसववविक्र सन्निधातनववथ॥ ॥ चिरु(धृष्ण)कशादी पृष्ठादागकरु

रचिकृयाचया

[illegible]

३५ रुलउ३

नूयकं गज, यलसदृइ सध्वा ददायकं यथासद्विवा लनकं, गानकं विक्रनाष्ट ॥ ७ ॥ अथ गानकं
 ज्ञानमथीयकं ॥ स्थलवस्थाद, कुमावीकान मिलिखा ससथस्थ, दिनवैकानकववव विक्रनाष्ट ॥
 ७ ॥ गवकाखदृयादा, कुमावीकाद्र सधुन, मिलिखा सस, थस्थ गस्थ, दिनवैकानकन
 ववभा, स्थद्रु सववभा, विक्रनाष्ट ॥ ७ ॥ दलउ, वदलउ, वीसिखउ समरागथान याद
 कसीनवालनकं विक्रनाष्ट ॥ ७ ॥ ति रुला, दूनयाद, कसीनवालनकं, विक्रनाष्ट ॥ ७ ॥
 ठुकमालराग, विविलिहलवद, धदाकाया व्यारागकालवास, लखनभस्थ, ठिकादयकं
 नदिनयतिकसीनवाल, विक्रनाययाउमखध ॥ ७ ॥ ॐ अ ॥ ॐ कौं ॥ विननर् ॥ १ रुद्रवादा ॥

धमकुण्डालसथास्यनकीविक्रनाग॥ ७ ॥ विष्णवयनसवनीसर्वावदवनागनीयसादा॥
 धमकुण्डालुजयगुसहलकुकमनथास्यविक्रनाग॥ ७ ॥ कृष्णवकाकुरुयादुद्विदादधायक
 सधयादअकगदसमाउगुदाक
 नथयभागीयाकाधलकलसठभस
 विक्रययव॥ ७ ॥ उसललामसका
 ठातुजिनिष्ठा२यलनभसगुठिविदयलनदसथागयायविक्रनाग॥ ७ ॥ मिदिसमसेवि
 येलिगिरुलाकदकमिवकिसिगुठगुठमससधसाखवसमरागमसनस्य२०॥ क

१५

व५

स्नानवालभवूठवलखनभसभवूठवलिवमदवनाग॥ ७ ॥ यावदुधवयाकाउदलमवव
 माउ३लखरुगधाद१४कभसधउसवयातीनउवकासवालसर्वभठवखवकासधा
 लसथभठवभ४२विक्रववववसथ
 दविक्रनाग॥ ७ ॥ काखदहाकायउ
 आउसथालकव१खठियालगीमसउ
 थास्यधतीगानकसूठसूठसूठगादनविक्रनाग॥ ७ ॥ मिदिसमसेवि
 वंसवायन१जिबि१मस१लवदहाय१उगलहा१आउस२साखव३कस्नीनवालभम१विक्रना

七

ॐ ३ वद वउ ३ अंवल ३ मल वमि ३ मिदिस ३ प्रियं गु ३ निम्ब ३ सा ख व द ॐ ३ विक्र भा य ना ॥
 ॥ ख क न गी, डि विरल, सा ख व, लं ख न न स्यं भा द न गा य द व ना ॥ ७ ॥ उ स ल द, व
 व ल स व थ म लि, अ लं ठ द, या र्थ ह न न स्यं द्रं स भं भा उ स भं या द न गा य द व ना ॥
 ७ ॥ धी र्वं उ, उ ध ल द, य वं कं ध व, लं ख न न स्यं भा न कं द द या गा य भा व ना ॥ ७ ॥
 धु क म ल, ल वं ग, क ठ, सा क्ष न, अ द स, ख क न, लं ख न न स्यं भा द न, क व स, गा य
 ना लं द द या ना ॥ ७ ॥ व द्या व ल, अ धु र्गं थ, वि रु ला, गु उ गु, व सी लं ख न न स्यं द्रं स ल व लं व
 रु द व ना ॥ ७ ॥ अं व ल, स र्ध न न स्यं ध व ण ग ल ला स्यं द्रं ठा स या द अ मी दा द ना य स रिं ग

नमो नंदव नंदव नंदव (शाकसजायवयु, दयकमै भकू, धाकागसाववाय ॥ ७ ॥
 अनाडी (नंदुगा ४ अरुयन ४ कावूदा वावाउसीका मलाष्टानानावर्षे नैक स ४ सावयानिष्ठुला
 धर्म वयुमनवेदनि ॥ अन्नजापूमव
 वसवकादिसववयु मलवावालवव
 न्धधमागीसाववायवृताकाया ॥
 विविलि २ मनेव ३ (गाखाव ४ जीवि ४ वृत्त वि ४ युम नि ३ दल ३ ४ यतक १ कठ ३ धानयाद
 कसलागीसर्व ४ व धविती सर्व ४ व ध सर्व ४ व र्हासगानमस ३ धा व अग्निमंदस वातस अ

लथ अमाउ स यंठगा लं कय भाय स धंसाउ वलं वं वभाय स (ध्रमास धतसं लिंयु ॥ ७ ॥ कठ
 सधाननसगानकी सावव लं लं (नेवलि दिंयु सवाव ल सिमव स ध गाल ख स र्हासगान
 अगीसावना ॥ ७ ॥ विंयलिमं स ३ वि
 खाव ३ यासुगी सु २ धाव सु २ वाउं भमा
 ३ धक माल २ का के लख स र्हासगानमस
 कसीव ३ क व ३ वि मिदि वाल युम नि अं व य रु व क न धविखान यक सलागीननस्य कसी
 धादगानकी यंठभायना ॥ ७ ॥ यतक सवाव ल वाल विंयलि वक्ति सदाव का कलखस

संगानकर्मसंयुतवायना॥ ७ ॥ देवदानकवृकठ, सतयस्य, दिगु, संध, यवसखावधवि
गीसहास्यभस्ययुतसलेवन॥ ७ ॥ धीति, धुवाकल, जीवि, दिगु, विधिलिगु, कम्पाल, काकलख
सहास्यगानक, युतवायना॥ ७ ॥ स
हास्यगाढ, युतवायना॥ ७ ॥ सवा
वव, दिगु, समराग, काकलखसहा
धवि, लवनीसवालनस्य, युतवायना॥ ७ ॥ वउ कवृ, अत्रय, सवृ, मसवविलवनीसवा
लनस्य, युतवायना॥ ७ ॥ अत्रय, वसाऊन, रुदकनयवाकहायागीनभस्यगानक,

युतवायना॥ ७ ॥ कठवीउ, वसाऊन, रुदकनयवाकहायागीनभस्यगानक, अत्रियस, म
स, यउद्व, धीति, युवाकगीनभस्यगानभस्य ३ युतवायना॥ ७ ॥ धीति, यमूनि, सहान, वा
लयाद, अत्रय, मस, संध, ककान
सीवउवाला, अत्रय, धनसमराग
॥ ७ ॥ रुदयव, अत्रियस, कवया
युतवायना॥ ७ ॥ दलउ, वाल, वाल, अत्रियस, धननवद्वि, लोउठानवद्वि, भ, मसया १४
हीनजाल, अत्रयसहावना, युतवायना॥ ७ ॥ सदलास, मस ३ जीवि, वि १ धउसववा

वनिर्खवावालन द्यौठवायनाम ॥ ७ ॥ हाक वंठ सकव अंवय समराग यूवाक सलागी स
 हास्यनाद द्यौठवायनाम ॥ ७ ॥ निकासवानसवा वरुवसा वनिर्खनवालन क्रीवा वरुवसा
 यूवाक सलागी सहास्यलिंघ ॥ ७ ॥ द्यौठ वि. यमनि अंवय द्याल समराग वनिगी स
 हास्य यिनि धुनिनाद द्यौठवायनाम ॥ ७ ॥ गुल्लाद वनिस्थान मरु अंवय कंवद्याल
 वंठ व समराग वन वनिगी सहास्यनाम मंस २ द्यौठवायनाम ॥ ७ ॥ कली वंठ
 खला गुठिप्रमवय कंवद्याल शिमवस अंवय विर्यु धर्त समराग यूवाक सलागी स

हास्यनाद नदीनजाव द्यौठवागनाम ॥ ७ ॥ कमवद धविस्थान कंवद्याल स्ववाकुल द्यौठ
 वी कली वंठ खला समराग यूवाक सलागी सहास्यनाम कं मंस २ द्यौठवागनाम ॥ ७ ॥ ३
 लला द्याल मरु स्थान वाल धविस्था न कमवद गुल्लाउ धुठि समराग यूवाक स
 लानी सहास्यनाम कं मंस ३ द्यौठवाग नाम ॥ ७ ॥ धुठि मंस २ रियलि २ मवव अगिय
 स ३ दिंगु १ व १ गुवाल २ रुलउ १ वृल
 द्यौठवाग सीलिंघ ॥ ७ ॥ गिरुला यिमनिस्य ध रुलउ दिंगु वनयाद रुसन द्यौठस्या
 लीलिंघ ॥ ७ ॥ रियलि रुलउ स्थान वंठवी अंवय द्याल वाल धलिस्थान द्यौठ मरु काकली

रदसहास्यभादन, यंठसाल, हिरवभ, यंठबागसंलिंघः॥७॥ शुठिसंस३यिंयलि३विठसयू३
 गुल्लाद३कसि धंठखल३अवयू३उरुल३अऊमाद३कउवसकव३००विमिदि३कसिनव
 लनस्य, अग्निर्मदयंठबागनागः॥७॥ या लर्मस१कठज१अनियस१मसु१वाल१गुल्लाद१
 वकवचन१धविस्थान१सुधान१यंठ ध१युवाकसलानीसहास्यभादन, हीनवयंठ
 बाग, यंठस्यकनागः॥७॥ यिंयलिर्मस२ अनियस३मवव१शुठि२हिंठु१कउवि१शुवाकु
 ल१रुल३१कसीनवालनस्य, रुसन, यंठसाल, यंठबागनागः॥  ॥ अतीसाथनिहृयिमन्द
 गवदितागिन४। यंठबागदस्यवाल, अग्निमन्दस, मनिदनयूः॥ इय४संदूविभावद्वि, गेहनी

२१

मतिदूषयत॥ दानाद, अग्निमन्दरुयाव, यंठबागलिलाकवयू, धवागगहनीधायः॥ मासादुह
 मतीसावी, सेविनयानिलावदं, बालकीठानियंठबायलावसन, वागवसुसववलंजवटैथ(गो)
 यै४संसंकेधु, (गो) बायगहनीधायः॥ रुठसयावू, वासुदननस्यमानुकं गहनीबाय
 नागः॥  ॥ इथ(गो) यै४संसंके धु(गो)निगात्सकजानिव, नअग्नीसिषद्यकाबालि
 विद्यामुदवलितयः॥ वाग, यिरु(धु)अ गिदाष, हि, सहज, धयूनायकाव, अग्निबायसय
 अयामया, वलिस्वंठरुयू, नमयवादिनी विसऊनी संववणी, कधवाजंगुलि, सवादिनी, अंगुलि
 किमधमविसऊनी, थंथअंगुलीनस्य संववणीः॥ अयामद्वन, संवावरुनवांनिव, यिवननाकि

वभनविठालविकिसा अलव ॥ ध अर्धनाच यायाविकिसा द्वाथ ॥ यलकगन, नूयकगन, साखन, भस
 वविलवनिवा, डेन के कानेवानकी, अर्धनाग ॥ ७ ॥ वालाउमस ३ दामल ३ नेमस १ अर्धनाग ॥ ७ ॥
 डाललदामस ३ वाल ३ मूस ३ खदान ३
 ददिवद यंठ ना अर्धनाग ॥ ७ ॥
 ॥ ॥ कंथ, खखन कंथवा, खवा दू सम
 खिखं हं, मादलति, वा, खखन, धखन गल, अर्धनाचामलक नाग ॥ ७ ॥ लवदुवव, यगकदा, वनि
 तीनरुस्य मार्गसथीद, अर्धनाग ॥ ७ ॥ नलघठदा, लखननस्य गाद, अर्धनाग ॥ ७ ॥ लघुव

२२

लखननस्य, धवलवाल मार्गस गले, क मार्गनकाथ अर्धनाग ॥ ७ ॥ वालमन, उलिमलाधयका
 घयाद, उद वयाव, धवलवालनकी, अर्धनाग ॥ ७ ॥ कंथ, कंथवास्य वयायाद, धवसवलन, वा
 नमथालस्यनस्य अर्धनाग ॥ ७ ॥ गिसि
 उरुल, सिमलस, गुत्वा द, दामल, मय्याति
 उ साखन ३ वाल धनशी घुल अर्धनाग ॥
 वग ॥ अग्निमदया, सक वाउ कील रुवया, नाठीमन्द याद खवा दान सनय ॥ लघी रुवतिदीका
 घसुका वगवगी रुवग ॥ कीका निरु वका वनाठी यादस्य वगनव रुवयय ॥ सुखिगस्यति

१ अङ्गिर्ल, अम्, आम, वाग, यं ट क्क राधा वया

वाङ्मया, तदा वगवदीति वा ॥ गवीवस्य सुश्रवया नाडीस्त्रिवगश्रुयु, धीवनसंनयू ॥ चयलादु
धियैतस्य स्यात्कृयस्य वरुतिस्त्रिवा ॥ कृधनयी उवयूयानाडीयास्य संनयू ॥ अन्ननयावहर्कि
श्रवयास्त्रिवया कनाडी, वरुवयूय ॥ ॥ मन्दस्त्रिवाथ विषम ४ समं धानि वहुद्विष ४ क
रुयिकानिलाधिका रुत्साम्या ऊ ० वान ल ४ ॥ मन्दाग्निगी कृग्निविषमाग्नि, समाग्निधयनावि २३
विज्जग्नि, ध्यान, मन्दाग्नि, यिरुन तीक्ष्ण
टया, अग्नि, कम, यवियाठिन सयश्रुवा ॥ ७ ॥ अङ्गीर्लमार्म विष्टुद्वं, विदष्टु यदीविर्न विष्टुचल
सकीतस्माद्ववद्यायिविलविका ॥ अङ्गीर्लस, ध्यान, आम, वागन, यं ट क्क राधा वया, यिरुनद

वयू, विष्टुविका, द्वययादा (धं यं ट क्क राधा वया) अलसक, कारुसर्ना, वादि विनाथं याद, विलकाथं वा
कावावयू ॥ ७ ॥ धनयां विकित्सा द्वास्यद ॥ ट क्क, जि वि, यिम नि, स्थिषु समराग, दिगु राग
दूनया येदधवनवाल, काकडास
यानामदिगुष्टक ॥ ७ ॥ दिगु, स्थिषु
ङ्गीर्लसहिष ॥ ७ ॥ सदानं गुठि, दून
खसर्लस्यगादन, अङ्गीर्लनागा ॥ ७ ॥ द (धु) ललका, अयामार्गहा, सांजिनदा, विद्यानकर्म
टवाय, यं ट क्क राधा वया, अङ्गीर्लनागा ॥ ७ ॥ कदक, वादिपी हलउमंस ट काकलख सहास्यगाद

न. गूढ अजीर्ण नाश ॥ ॥ शुंठि विविलि. स्थंघ. धया लउंठाय दा स्थनक. यार्ध धूल. द. द.
 दय धूल. का स. ला स अजीर्ण विवास नास ॥ ७ ॥ वठक. वं. शुंठि. विविलि. बाल. स्थंघ.
 गूढ कोया ल. द. ल. उ. समराग. मंस
 दका स. ला स. अति साव. वाग गुला अजि
 ॥ ॥ क. व. उ. दा. द. (गा. उ. ४ म. व. य. मं
 लखन रुया व. थ. र. थं. १० कं. ने. या. व. गन. क. थ. (थं. नी. दा. ना. वा. स. व. ना. यं. म. व. ल. व. या. व. ल. र. व.
 द. द. द. द. यं. न. या. व. ना. द. ने. या. (थं. ने. थ. ठा. क. व. दा. व. द. ल. दि. वा. र. (ग. न. कं. (गा. उ. वि. न. ध. उ.

२४

अमृदलविकचा ॥ (व. क. सी. अ. जि. मं. द. सी. ति. य.)

सब. गं. व. ल. न. स्थं. ल. (गा. उ. ला. क. अ. मृ. द. ल. वि. रु. क. ल. स. अ. जी. र्ण. ध. ग. वं. ठ. व. ध. उ. स. व. या. ना. म. द. रु. ल. स.
 खा. दि. व. स. धा. य. ॥ ॥ वि. य. लि. मं. स. ७. शुंठि. ७. ध. वा. को. या. द. (गा. न. दि. सा. ख. व. मं. स. २. वा. वं. क. को.
 न. वा. ल. न. अ. जि. मं. द. ना. श. ॥ ॥ र. वं. ध. ल.
 ॥ ॥ य. म. नि. शुंठि. वि. य. लि. म. ल. व.
 द. ध. यं. उ. आ. वा. न. वा. ग. ना. श. अ. जि. द. दि.
 ध. मं. जी. स. म. रा. ग. व. वि. नी. स. रु. स्थं. भा. द. अ. जि. म. न. द. यं. ठ. रु. का. ल. ति. ग. ॥ ॥ म. व. य. वि. य. लि.
 शुंठि. स्थं. घ. व. ग. क. दा. द. ल. उ. स. म. रा. ग. दा. क. ल. ख. स. रु. स्थं. गा. न. मं. स. २. वा. वं. अ. जि. मं. द. ना. श. ॥

८६ लि स म स २ दि गु १ स स २ य मू नि २ वि वि लि २ य व स खा व २ द ल उ २ स ध २ व न या द
 य वि गी स ग व क क ल ख स ग व रू स गी न क वा न न य ट स्या ल व व ल अग्नि म न स र्ति य ॥
 ॥ व ल वि वि लि ध व थं ज गी स रू स गी न न रू स थ य य य ना ॥ ॥ गि रु ला
 उ अ व न स म रू ग ध व क सी न वा ल न कं यो यो ना ॥ ॥ स उ यो ज्ञा न क माल ॥ २३
 म न य गु उ ह चि न या द क क ल ख स रू स गी न वा न थ य ना ॥ ॥ धी ठि म स उ उ ति
 ठि थान म स उ ध ग व भ ग्या ल ध व स रू स गी न वा न थ य स र्ति य ॥ ॥ य मू नि स ध दि गु य
 व स खा व स वा द ल द ल उ थान या द ध स रू व क क ल ख स रू व रू स गी न वा न थ य

१ वा था ना ॥

ना ॥ ॥ अ व ल टा य सा ख व ल ख न न स क क क द गी न वि रु थ य ना ॥ ॥ स वा द ल य
 व स खा ल व व क द क द ल उ थ ग क द व न या द म स ३ व भ स द द स क य का व ध न व क
 गि द्वा द रू स गी न द ल गी उ क स थ य य ट गी उ न न य थ यो थो ना ॥ ॥ ल रू व सा क ध
 स रू स य ल खो वा ल द्वा थो वा व भ गी द न थ य ना ॥ ॥ थ ग क द क र्थ याल द क र्थ २
 ध ग वी म लान द्वा म लाल ख का थ द स रू रू स गी न थ य ना ॥ ॥ ध व वा उ वी न स रू
 स थ यो ना ॥ ॥ द व उ कू ट य मू नि य ल का स ध स वा द ल धी ठि म ल व रू क द स म
 रू ग वी म लान द्वा म लाल ख धु व क रू स गी न वा न धूल ना ॥ ॥ गालि सि सि वि कू ट रि

१ वा न सु ल ना ॥

४ न २

कदलवद साव, शुक्रमाल, नृवक गव, धातक, उगलहा, समराग, धदाकायाद, (गानद्वि,
साखव, मंसनस्य धावम, वातशूल यथैठ साक नाग ॥ ॥ दिगु, व, विंयलि, अतियस, यिम,
नि, धीठि, स्यध, दलउ, समरागदाय, का, लखशुद, सागद, मंस ३ धाव, अग्निम
दवातशूलनाग ॥ ॥ ऊवसिकव, म, वय, वागद न, यथैठ साक लीहिंय ॥ ॥ सू, र, २३
गगदामनयवागद, यथैठ साक लीहिंय ॥ ॥ साहान, शुक्रमाल, वठिजाव, साखव, ध
गनस्यगद न, विरु, (शुक्रमाल, वक, विरु स, अहिवावसहिंय ॥ ॥ गिरुला ३ यूमनि, स्यध
दलउ, दिगु, धान, रुसनयथैठ साक लीहिंय ॥ ॥ मवय, विंयलि, धीठि, यूमनि, दलउ, वासि

खठि, स्यध, यून, यथैठ साक लीहिंय ॥ ॥ दिगुमंस २ यूस, वामूल, उगद, लिस, उदलउ, उ स्यध २
धठवि २ सुवाकल २ विंयलि, उधुठि, उ यूमनि, उ धधान, यथैठ साक लीहिंय, ववलीहिंय, वदव ॥ ॥
दाक, जीवि, वूयाद, धवकंदास, रु, स्यगान, सामिगानाग ॥ ॥ दलवकलि, धवसक
लनस्य, सामिगानाग ॥ ॥ सयाद, स्य, ध, सुवाकल, धीठि, मलव, धगकहा, समराग, धा
भलानेकभलादयक, लखशुदास, रुस्य, गादवातशूलनाग ॥ ॥ सयाद, स्यधन, रुस्यनि,
सामिगानाग ॥ ॥ दलउ, यथैठ कोठलेखवालसास्य, रुग ॥ ७ ॥ द्वाद्गायनयूकोठलेयाय, मवय
विंयलि, धीठि, अतियस, दिगु, व, सुवाकल, दलउ, वावु, शुदाकोकलखस, रु स्यगानमंस ३

उथालख(थं)दं चक्र उल्लिखि ॥ ॥ १० ॥ मंस उल्लिख दास्यं वृत्तागन, वृत्तागदयकं श्रुय, दि
 गुर्मस २ स्रवाचल ३ स्यं ४ २ धग, धगुं १० दायालख सहास्यं गाढ, यौट, असदन, काउल्लिखि ॥ ॥
 सादान, गुं १०, मसू, वाल, वाल, वविगी, सहास्यं गाने समराग, न २ मंस वार, यौट, असद
 नकाउल्लिखि ॥ ॥ ॥ कद्रु उ, गुतिज, मवय, उउं वि, सिंघाटक, कवाल, मसू, गुं १०, स २१
 मराग, वविगी सहास्यं गाढ, समूदव, व(थं)कादलं वृद्धवख ॥ ॥ ॥ ३ विहाल, ग(धु)म
 सु, लवंद, समराग, खादुल्लिख सहास्यं गाढ, विरुनकादवना ॥ ॥ ॥ ४ कद्रु, वाल, गुवा
 क्लयिंयलि, समराग, काकल्लिख सहास्यं गाढ न, वागनकाउल्लिख अवकलि ॥ ॥ ॥ ५ वदान

कट, सगयस्य, दिगु, स्यं ४, यवसखाव, वविगी नस्यं नस्यं, यौट सयाद काउवक्षय विवि ॥ ॥
 यिंयलि, गुवाचल, जीवि, ससं उउं वि, साखव समराग ॥ कसीनवाल, गुतिविन, अवलयायव
 नकं यिवा सवावडास्यं, यौट क्ललवया, ४ ॥ ६ ॥ कद्रु उ, गुतिज, मवय, कसी
 वाउंखला, सिंघाटक, दासु, गुं १०, युवाकं सेलागी सहास्यं गाढ, द सामदानवर्ललि
 ग्य ॥ ७ ॥ यिंयलि मंस ३ क्लल उ ३ सदन, ३ मसू ३ गुं १० ३ यउवि ३ गुं १० ॥ ८ ॥ मवय ३ काक
 लख सहास्यं गान ३ यौट क्ल सादान वं गवना ॥ ७ ॥ ९ ॥ क्लल उ मंस १ २ चून कसिनवाल नकावृ
 गुधि ॥ ७ ॥ १० ॥ ३ विहाल, मलव, यवानथं समिलि, समराग धयाद, गानकलि रुठयय, लखनन

स्यंगानकं काठ लं लिं ग्व ॥ १ ॥ थं समिलि टं हलिसय्यामल, कसुविगानक ॥ कलति साधया ३
 किलियान, अक नं गं उ न धा उ थ स्यं का र्वा यक लिं ग्व ॥ १ ॥ दिगं रु ल मं स ३ थ उ व ३ ध न क
 कलं र व स रं स्यं ना द न वा हि वि म द्वा लं लिं ग्व ॥ १ ॥ दि ग्वं ती ४ स्र वा क ल १ वा उ वि १
 पु ० २ जि वि २ रु ल उ ३ य क्क वा मू ल ३ कू ट ४ ध न वृ न या द का क लं र व स रं स्यं ना द २ ८
 न वा हि वि म जी लं लिं ग्व ॥ १ ॥ अ नी य स मू क क कं टा सिं यि य लि, सम रं ग वृ ०
 या द, क सि न वा ल न स्यं थं ह स्या लं, य र वा ल स रं लि ग्व ॥ १ ॥ वृ ल स दू द स उ य या ल र व ला धा
 ला व, मा न ध न द वा व उ य या ल या, द व न वा द, ल य न वा य उ य या ल रं ग ३ स्र रं ग १ म व

१ पि हा चान म डि ल, पि हा चान माल क य

१ का थ वि धि

व २ ध न व ल स दू द स न स्यं, व नि ४ ध न गं न कं (गं उ वि न, ध व उ, क्क गं उ र वा दू ल र व न का
 वा या व न, का ० वि वि रं थ ॥ १ ॥ पि न र वा न दू द मं स उ व ल स दू द मं स २ ४ ध न मं स ठा क कं द
 स्यं या न ध वृ वृ मं स २ ध न वा ला व ल उ वि न, क ली स या य ध न कं, अ थ नी ध उ स र
 न, ल र व न का वा य, वि थ व न या थ का ० वि वि ॥ अ ठा जा वा ध ल वा न व द वा व उ य ॥
 १ ॥ मृ ग, अ व ल द स्यं का क ग न, ज न ल स द उ य र वा ल या द का ठ य र वा ॥ १ ॥ न क या
 व, क सी न वा ल, वृ न मा र्ग स, य ल ल थ, य र वा ल द य र वा ॥ १ ॥ अ नी स्तान द ल, स्यं ध, ल र व न न
 स्यं व लि नि द्र य कं, गं न का व, मा र्ग स य ल व रं, य र वा ल, द य र वा ॥ १ ॥ दि गं रु ल मं स ३ (गं उ

प्रमस ३ धन का कल रस सहास्य भावन वादिनि मद्वाली वादिनि द्वायूरव ॥ ७ ॥ वादिनि ह
 लउ कली गामुगल वालन कल ग्ये रु किमिनाम यथाय सर्वथा विनाम ॥ ७ ॥ उ
 विह क जी वि यिमनि समरुग यो न याद उग गवि ठान गुति विहन क ताद
 न यथ उउ क व ला व रव ॥ गया द्या क सर्व ला व रव ॥ ॥ किमय सुदिनी
 या का वा द्या यन व रु द ग १ वादिम ल क रुा ट्टि चि दु न र दा व उ दि व ४ ॥ किमिना
 यका न यिव न वा द व न था यिव न म ल न जा य व य द व न ध्यान दीन विद्या न धयता न
 जाय व य ॥ वल नी दि ती न आदिन द्री याम ल न जाय व य मो उ गी क्री गी यू का न व नी लि क

किमीनाम

२२

कलयातीनतयाव ग्रधव उलगीयातीनतयाव कायूठकायालसवलाव कया लयासा र्वनमदय कावि
 ववाणी ॥ १ ॥ का ल जाय व य द स ता जा नि आमा सय स र्थ नि व कू थ न व र्य रु व का उ व रु व ॥
 दीन जाय व य दू मा ध र्व न म दू धन कू थ यार्त ॥ विद्या न जाय व य दू मा ध य द्वा स य स र्थानी
 व ध अ याम न के उ र्थ व य ॥ किमिया वि कि त्या द्वा थ ॥ वि उ स य वि रु ला यि य नि सम
 राग वून क स्ति न वा ल न क वा ल क या कि मि ना ग ॥ ७ ॥ म य व गि र वा य द्वा रु क
 रु न स्य ना द न कि मी ना ग ॥ ७ ॥ यि य लि जि नि व उ स य का य म नि ध र्व वून न स्य
 थान व व कि मी ना ग ॥ ७ ॥ य ला स वी उ यि म नि न स्य ना द कि मी ना ग ॥ ७ ॥ का द व थ वा
 य य मू नि ल र्व न न स्य ना द न कि मी ना ग ॥ ७ ॥ वि उ स य य मू नि ल र्व न न स्य क सी कौ द

कयूठकायालसवलाव
 कया लयासा र्वनमदय
 कावि

नादन किमी नाग ॥ ७ ॥ बाहिणी कलत कस्की मेषमूल वा लनक लं हा जल्य कमस्य
दवाय सर्वदा धिनाग ॥ ७ ॥ पुनम ४ आगनु यवमरु हा विकं कुं दै की कुं क धनि २ कुं क
निष्पेकै बलि २ किमी मालन ॥ पुं
॥ ७ ॥ विडिं थ यियलि स्ववा कल दि कुं रुठ ॥ थमनु ल यमि स ज य व य किमी नाग
स ३ किमी न यं ट स्या क कात व दं तु ० ० रुज व थ न सम रु ग कस्की न वा ल न म
॥ ६ ॥ ना व कु ग ना ना ठी व य ला यि रु वा दि नी ॥ मि ना ॥ वा व ती ना ठी वि वि धा यु वि ३०
दा व जी ॥ वा न या ना ठी व कु ल यं त या द र्शन यि रु ना ठी वा स्य र्शन य ॥ वा ना ठी स्त्री व ल न

३०

कस्य सनय दंद ना ठी न ना वा व ल क ल द वा य वि दा व ना ठी वि वि वि न द व द्वा या थ व
व य य ॥ वा वा य स र व स र्ध न ल क ल न ना ठी नी वि वा व या य र्था ॥ ॥ वा पु वा ग ४ सु
ना ४ य थ वा न यि रु क र्क सु य ४ व रु थ स न्नि या न न यं व मा रु क ल ४ सु द ४ ॥ यं रु वा ग
दा ना वा या वा न यि रु २ ॥ वा ३ स नि दा न ४ वा न या न जा य व य वा पु ध दा ना या
पु वा य ॥ वा पु वा ग ४ थ य थ यि रु ला नि नि ष व न वा पु वा ग व ल ला रु थ ल यि रु
ले व सु न या न ॥ न स्य यि रु म मृ क्ता स द गु वा ग य क ल य न ॥ थ या ही न ल न यि रु न रु द या
व वा य र व का म ल यि रु ॥ का म ला व रु यि रु वा का वा सा रा वा थ म न ४ ॥ का म ला न व रु यि रु

यदि या साखा ५ लाभा ३ ॥ १४ ॥ अथ या द्वाचा ॥ कालान्न नानुवरी ह्ना, ह्नाया कुरु काम
ला ॥ कामलया यना द्वा वधा यन्ना वधिं द्वा यक ॥ १५ ॥ कामलया य ॥ १६ ॥ सवतयि क
नन नकाव, हली मकथा य ॥ १७ ॥ स
जादिन उय द्वा वधा वधान की वा
मस २ सवव ॥ १८ ॥ यिनि शु निरु
शाय मन, मस ४ वनया द्वा न, वागी या न, यि सय कं थु या, जा स द्वा कं द्वा, यि उ कामलना ॥ १९ ॥
॥ २० ॥ धु उ सवन न जी दा वधा यि द्वा स्या जाती मथा स्या धु उ, मायन ह्ना वन कं ह्ना ॥ २१ ॥ सि

हला ३ गुठ गु १ आउ स १ कदक १ खाठा १ निव १ साखन १ कली न वालन स्य कामलया गु ना
ना ॥ २२ ॥ शिकदू, ०० धूमिदि, धियं गु, धियं धिलि, आउ स, हवट, समराग, कली न साख
वन वालन कं, कामलया गु ना न, न
आकन १ आउ स १ जी वि १ सो ख व ३
३ कामलया द्वा यना ॥ २३ ॥ मरु
ख व ३ कली न वालन मस ३ कामलया द्वा ना ॥ २४ ॥ गव सल कन ह्ना, मवव, धन ना, न स्य द्वा
स ह्ना स्य नान कं, यि द्वा कामलना ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ यि रं वि द्वा स्य गु (०), वि द्वा ह्ना गु (०) नि न

मम ४ वरुणं वक्रमूर्ध्नि वा (आदि) विवा ॥ विरुकाय वयय्, धवगुलन, धर्मन, हो, नानका
 यवयय्, वससहीवरुं वयाव, धानवर्णव, कानवर्णव, धानववसा, मूथ, द्रास, मिखानवय।
 कानववसा, नलमृगदावणवय ॥ ध
 मव, आविशुकम्याल, यागक, लवग
 व, शुं १०, मस, खदान, धर्मवूनयाः
 स, गुठगु, खाठा, खकन, मस, कटूक, धर्मदास्यं गान, नारुं द, नालं रुवसा, कमलदानेर्गन
 वक्रविरुभाक ॥ १ ॥ मस, खकन, वाल, डमलदा, वक्रवदन, शुं १० वक्रविरुया (धृष्ट) ना

३२

॥ १ ॥ श्रीवर्ण, वाल, मस, डमलदा, आठस, गुठगु, डिनि, धूमिदि, द्वालीरु, मिदससा
 खन, नयिं उर्क, कलानवालेन, वक्रविरुनाम ॥ १ ॥ धला उवनि, खदान, ल्यं द, अंवल, म
 रु, समराग, दिनयनि २, मसया, म
 ठसथास्यं लं दन, वक्रविरुनाम ॥ १
 मरागवूनयाद, साखन, कलवाव
 वगावा, ल, याव, साहसा, दिवमासना, व, विदा, आ, क्रायन, य, द्वा, गदा, रु, व, व, य, या, न ॥ ॥
 वगव्यं दास, (गल), गवया, कमन, सीदास, गवर्णवयास, विदा, व, वान, विरु, (धृष्ट), धवगोद

उ. मयौ जायवय, नाऊय झावाय, धयाविकित्ताकाय ॥ अ. भायसिंहा, दूदवागानक, दयव
गना ॥ १ ॥ (धुमकाकिलमूल, वालसदूदवागानक, दयवागना ॥ १ ॥ माकठलाधुवः
छि, रिंनकवूनयाद, साददसहास्यन
वाना, धुवठियाद, चलसदूदसहाः
मवव २ धुं १० शर्ययलि ४ वंमलावः
यिलियायाउं, मायसाखन, धनवूधनस्य, यकावायना ॥ १ ॥ दूवायभाक, वादिकया
यायामा, धयभावि ४ धयभा ४ दनसंकोवा, भाविभाक, ले ४ धु ४ ॥ अमीकायसंग

१ यक्षावायवा

३३

रमिमीसायामयाढाय खनकिणशवया सुदिह

शिवशिवदत्ता

यादास, खायास, का ० इन्द्रास्य, जयकास, लंसटाया नदायास, धाउ (भावनय, कावश्व
या, यावर्ल (गठस, दय, धस, भवीव (भावावयय, धयालकददकून, डवद्वनयय ॥ धया
विकिसाकास्यद ॥ जला, यागक, लव
साखन, ०० धूमिदि, खशवेस, धनयुक्ति
स्य दान कावनाम ॥ १ ॥ गुठममनक
वि, गिनखाव, यालवालाउ, वकं ० गिवि, यलाससि, कव, मधनास्वानदा, अयामार्ग, नयसाम
सि, विगकदा, विकद, यस्कवामूल, याउलि, सि, धि, धनडासवद्या, याव, रं, ठासथद, क, गुः

छिनकायास्य वानयलदादवयं रुसयादाव लखसगस्य खालगीसक यनककास्य डासवनः
 दास्य दिगुकेव १ व २ क ४ २ स जिखान ४ य ३ वि ३ धनयानयाद दास्य १ काथदास्य स्ववकः
 निरावेसयास्य गनकाव धडासवयाः ननक दगका ६ द्य (गव र्यटमं ययारि यरुः
 नी ॥ ॥ य ३ कास १ स्मृ ना वानयि रु (क्षु म् क न क य ६ क यो यो य दि वा ४ स व व
 लिनयय (था रु व ॥ दागा का गं दा या व गयिरु (क्षु म् क न कौ ६ क य का स स जि दा व
 ल द ६ दा का मं य व ल ला क लि धु लि धु क य व रं य ॥ का स वा य या वि कि सा दा य ॥ वि य लि
 आ उ स गी न द स रु ६ वि या व धा र्ये वि लि य नि स नि न का ग ना ॥ १ ॥ ल व द य रु वा मूल

२५

१ कास वा य या

ल १ का ग वा य ना १

वलद्ववा न मं स ३ स्या स का स ना ॥ ७ ॥ आ रु उ क क टा सि काल स इ वाल रु वि य लि
 समराग न मं स ३ का स स्या स ना ॥ ७ ॥ म व य वि य लि गुं ० रु ल उ व रु ल ल उ अ व ल रु
 गी समराग क सी न वाल न मं स ३ का स स्या स ना ॥ ७ ॥ वाल कू ठ वी उ द ला व रु वि य
 लि क क टा सि मु रु य य गु य रु क वा मूल शु क म्या ल क सी न वाल न का स ना ॥ ७ ॥ आ वि
 क र्व १ वि य लि क क टा सि मं स ३ गु क म्या ल उ क उ स क व ३ मु रु ३ य मू नि क १ गुं ० मं स ३ य
 रु वा मूल ३ वि य लि क १ गुं ० क १ म व व क १ अ क ल य द न स का स स्या स ना ॥ ७ ॥ गुं ० मं स ३
 सि वि १ य व स र वा य १ वि य वा मूल १ व न क रु ३ म व व ३ य रु क वा मूल ३ ल व द ३ जि वि ३ वि

मूनि ३ लवट काय ३ कठ वस क व ३ ध व क ठ क १ ० विना क ठ १ या ल व नी क ठ १ ल ख क ठ ३ ध
म मू न व द ल व न सा स का स न ॥ १ ॥ क ठ व स क व म स ३ रिय ल मूल ३ सि यि ३ य स क न मू
ल ३ व न क द ३ म स ३ धु ३ ३ रिय लि ३ धु ३ ३ य न या द न स्य का स न स ॥ १ ॥ धु क
माल म स ३ ल व ट व व ३ यि रु ला ३ व
३ न स ३ ३ य १ गी द्य १ ठा व क ल ख द न
ना मूल म स ३ ३ ३ रिय लि ल व ट वृ ध न स्य यि रु ला य म स सा क व व या र्हि य ॥ १ ॥ ल व ट व
व म स १ धु क माल ३ रिय लि ३ व न वा व न ३ ड रु ला ३ ध व क सो न वा ल न क न का न द्य न ही

२६

२ का ल वा य स

व व या र्हि य ॥ १ ॥ वा ल धी व धु ड म ल द ख क न का ल स म ल वृ न या द न हा द्य क या ॥ १ ॥
ड म ल द गु ला द धा ठ क व ग धु म स सा ख व स म रु ग वृ न या द न क द्य द य स्य सा क व
क यि रु क य का स सा स न म ॥ १ ॥ य
वा व र्थ स म रु ग म स क स र्हि य ॥
ल न ट व नान द व व न म रु नी ॥ १ ॥
क था वा य ४ क रु ना नू ग न ४ र्य व हि क्री क या न द ॥ अ न्न डा उ म ला द्य ग म्मी वा म द न
ध न ना म वा ग वा ध्या वा म व या व दाना हि क द न ॥ १ ॥ दि क या वि कि सा द्या य ॥ १ ॥

२ दि क या

शुंतिर्मसइद्रसमलालखनकुमलादयकदायकभादनदिकववयांरिंघ॥७॥
 मिदि विंयलिधनकस्नवालनकदिकनाग॥७॥ कालसमलिधनसकालावदाय
 यानवानावमयावकालसयायधनकनकनायसदिकववनाग॥*॥ महा
 इच्छिन्नममक॥ कदाकेदेमुयश्चम
 न॥ महास्वासड्डस्वासविन्नस्वास
 महायाधिसासकुष्ठिनविगभवय॥ ससयौ।
 विकिसाकाय॥ मववविंयलिमिवकिंरिमिदसअलासायूनयादसनवालनकथंसा

स्वासववया

20

२ दिक्चारिद

वदवयनाग॥७॥ द्वालीरुविंयलिकर्कटारिंदलउयानयादधनकस्नवालनकथंसा
 उवदवयनाग॥७॥ दिकववयांरिंघ॥७॥ शुंति सवाकलशुकमालनकयिवानधनकः
 स्नवालनकथंसावदवयनाग॥७॥
 वयनाग॥७॥ दलउवदलउविंयलि
 सरुकद्विदलोवेगकदाविठंयंसा
 लउककर्कटारिंकलसद्वालीरुविंयलि समरागयूनकस्नवालनमसइद्रधनवससार्थथ
 यंयनाग॥७॥ यिरुनववसाकस्नकायवागनववसाधनकायशर्वा॥७॥ आउसदलकर्व

दंत १ यमलालं खन वा मला दयकं दायावमानकं नृस साधं धं यादना ॥ ५ ॥ अत्यं चरु
 यलविमाधयनारिद्यार्नं सठय ॥ ४ ॥ युक्तविना ४ येनोदयकु (धामासुं) खनवदवगना
 यमिषु दयस्ववकुवनिवोचिद्वय द्विध ४ सधामवरुव लनालं विमसं चोवकुलं
 नवसवलयठयलं ठायाटयास (ध) संकायवदयकुसजादिन खनवदलं स रुस
 वा निवधरुसन खनभावकयुधर्न विधि ४ ॥ वाग यिरु (धुव्य) विदावकुय मेदा
 वृद्धि धयनाखनरुद धयाविकित्साकास्यं द ॥ मववर्मं स २ र्थिचिलि २ धुं १० २ दल ५ २ र्थि ध २
 मूक ३ मनी १० २ लवंग २ शु कम्याल २ वंग कदा २ वानयादन सवसं धरिनक ॥ ७ ॥ यास्वरि

३८

मनाउ, दलठिव, वकवि, मदागिलिनि, धवानयाद, धवलवालन, खवरुदनाम् ॥ १ ॥ जाः
 विमंस २ खयाद, ल २ मवय १ साखव १ वानयाद कलीलन, खवरुदनाम् ॥ मिथिमंस २ मव
 यियलि, १०, संध, दलठ, मना १० ल
 कदा, मगियस, कलीनवालन, खव
 २ गिदला २ दाकजीवि २ मवय २ धव
 मंस २ वगकदा ३ संध २ लवद २ द ३ धवानन, खवरुदनाम् ॥ १ ॥ विमंकदा २ संध २ लव
 द, दलठ, वकूट, यियलि, १०, जीवि, अउमाद, १०, मिदि, संध, धनसमराग, वानयाद, ध

五

वसवालन मंस ३ धडा सवनीयक नस्य धुनिधन नंदानेथ स्वन कदिलिहाल (थं) अउः
 खाखल धनवना मरुव ॥ ~~॥~~ ॥ वागादिरि ४ भाकरे यागिलारु कोभिर्मना घा मनवृयग
 (न्ये ४) अवाका ४ स्य ४ यविह यदन ४
 रुयारुय (ध्यायालारु जिदायय
 मरुला वसुनल धिनवेनखल वि
 काव विठहाय दधुहाकय ॥ ध्यायि किला कास्यरु ॥ गाली समंस ३ वं गलावन ३ जीव
 ३ लवद ३ मवव ३ यियालि ३ धु १० लवद ३ वव ३ धुकम्याल ३ यागक ३ नृयक ३ मव ३ समरु

३२

ग साखन वाकडा सववकि वागयिरुना म वृविकन अगिउव ॥ ७ ॥ गालिसिमंस ३ वंसला
 न ३ रियलि ३ धु १० ३ मवव ३ जिवि ३ यम नि ३ वला ३ लवद ३ लवद ३ वव ३ लल ३ ३ वल ३
 साखन ३ वृविकन गालिस्यादिगध
 ३ धु १० ३ धुकम्याल ३ यागक ३ लवद ३
~~॥~~ ॥ दधु ३ धि ३ धुधक ३ वीरुसाने
 लमयन ॥ दावदधु ३ रस्य धवाय ३ यवागन यिरुन (ध्यायल जिदायल दवा यदार्थवदोअ
 दिन धवागा कदि काकवाय ध्यायि किला कास्यरु ॥ रुटसय यामलवा साखनवा ॥ ४ कनः

३सा १वाकोलीववनाग अनवदीनाग

याव मकासगस्य डाकिलिऊयदवव ॥१॥ यियलिमंस ३अवउय ३किमि ३मवय ३वउय
य ३अयमल ३डाकिलिअनववनाग ॥१॥ जीविस्ववाकूल मववकलसमल ३वा लवदशु
कम्याल धन समरुग वानयाद खन
ववनी डाकिलिनीनाग ॥१॥ दलउ
वनक दुदिनाग ॥१॥ ववगगसिम
ग ॥१॥ ॥ रुयधमासावलसंकोया दादुदक्षिर्गविरुविवदनेश्वरियलसवार्गकयिर्गक
यिर्गनवाला गाल ४ययलजनयलियासा ॥ रुययाल जाल वलमदाल रुसवायिरुवावा

४०

१यासनायनाग

ववय थलस्यवय धयिरुसंवागनगंदाव काववय मनूययार्थकासययिसवय यासनाय
आयवय ॥ धयाविकिसाकास्यरु ॥ १० ॥ डगलदा श्रीखुठ वाल मुरु खकन लखननस्यर्ग
नक यिवासनायनाग ॥१॥ कयूव
लखननस्य गुठिविद कथसथदग
न कलीनवाल गुठिविद कथसथ
मरुग कलीनवाल कथसथद यासनायनाग ॥१॥ यंशु रुंटाकिमी लखननस्य रुदसंय
दस्य यिवासनाग ॥१॥ डरुल श्रीखुठ ३वा डसलदा साखन कलीनवाल गुठिविद कथस

३ग

৬ বি

धीं दै दमस्य विवासना ॥ १ ॥ क्रतुसयाव स्य ध्वजवदनस्य बाल दुष्टासयादाव विवासना
 ना ॥ १ ॥ क्रतुसयादा उरुल उमलदा स्य ध्वजसमराग वानयाद ध्वजक कीनबाल धीकासय
 दम विवासना ॥ १ ॥ कयूवर्मस ३ ययं गु ३ वक सिंकव ३ कंकाला ३ मग ३ खयल ३
 स्यंका ३ समल ३ ३ मिदि ३ स्यं ध्व ३ मने ३ थि ३ खट ३ ध्वजक कीनबालन विवासना
 ना ॥ १ ॥ निविशक्रियदादायासुदा मूर्च्छनिमानवा ॥ १ ॥ सद्भावदासनाठीय योधि ५१
 ना लुनिलादिरि ॥ १ ॥ गलदायवययिसवयव धल जवदा यादमदि निव मन्यावगः
 नवदवयनाठीसवागययिसवयाव ॥ १ ॥ धमूर्च्छाया कित्सादा स्यं ॥ कालसमल रियिलि

शयि

उमल्लक्ष्मणयकं भवत्वा दुर्लभं ननं स्यात्मानकं टवत्तु यिदं लिङ्गं क्लीनं बालनकं टवत्तु मूर्च्छनाम् ॥
 ॥ मूर्च्छा यिरुगम ४ याथा वजाय कानिलागम ४ गमा वागकक्षगन्धानिद्राक्ष्मसमूह ३
 वा ४ ॥ यिरुग्मधिकनमूर्च्छाश्च यद्विद्वि
 क्षाकायत्रयत्रसागंदाङ्गालाक्ष्मनर्वा
 मया विकित्साक्ष्मय ॥ विद्रुक्कनय
 ॥ १० कं गुठियाल मत्रया वा लंखननस्य कायउसथाउयस्य उवद्राससथर्नं टवत्तु खवद्रास
 सथर्नं टवत्तु नदासं नट २ अथर्नं टन यिक्वायनाम् ॥ १ ॥ हलउवत्तु कट् यिदं लिङ्गं १०ः

१यिकृत्वा यत्ता

जिनि, अऊमाद, छुष्टिमिदि, स्यं ध, समराग, धवतवालन, मंसरयिक, वायना ॥१॥ अः
 रित्रहावदियालहामिदि, स, धनिर्म, सउददु, १ लखम्याला २ धर्म लख, स्ववर्क दास्यं द
 दलनक, साखबलहास्यं ठान, यिक, वायना ॥१॥ काकहूदा, मधेवा, खानदा, सम
 राग, वृक्षयाद, लवनीनवालनस्य, यिक, वायना ॥१॥ उमलहा, खानन, यमका
 दा, समराग, लखननस्य, साखबलव, लनाद, यिक, वायना ॥१॥ मिदि, स, द, नालीरु ४२
 वंमलोवन, यियिलि, यागेक, नूयक, गव, लवद, लव, साखन, यिठं ४ कलानवालनक, यि
 क, वायना ॥१॥ ॥ यविषयगुण ४ थाका, समयविषयवसि, गा ४ नन मिथ्याययक

नं १ धनकावया

न, रुवत्य, अमदात्यय ॥ गुनविषयागुणकाव, धर्व, धंसगुणवांगु, धनन, वव, अवव, सगव
 मागन, कायरागदान, धनि, रुवया, मदात्यय ॥ धनकाव, यानात्यय, यवमदमधमध्वं
 नकाव, याना, ओर्ध्व, ओर्ध्व, मर्व, य, नकायवयवाय, यि, म, धनकायाव, यिकः
 अवगन, रुय ॥ धया, यिकि, सा, काय, ॥ मिदि, स, सगवा, ल, उ, वि, धनसाखबकादा
 व, कलानवालनस्य, यानात्ययना, ॥ ॥ लवद्याद, सया, विरुवका
 किमू, द्विग ॥ दादयक, वन, धाव, विरुवरु, स, रुव, ॥ सव, सर्व, यवा, एवाय, विरुवकन, का
 दन, मू, कायादाव, दादय, धवाय, रुय, कव, धया, डा, सव, विरुया, डा, सव, योय, दाहया, वि, क

साक्षात् ॥ कं० गिरिदा, वला नागवलाहा, कटक, खखद, काससथद, द्रंदयस्य साकनाः
 गा॥७॥ डगलहा, धाउं कव, गंठमूक, साखव, समरुग, वानयाद, नकं, द्रंदयस्य साकनाः
 नाग॥७॥ याक साखव, मंगधविलः, वानवा, कलीवानवालनकं, विदाव, दंदयन
 गा॥७॥ खकन, विंयिलि, मूक, डग, लहा, समरुग, खादूलखननस्य, गान, यीटदय
 लहिं ग्रा॥७॥ अंवल, यवसखाव, ह्य, टननस्य, दंदलासयाय, दयस्य गायनावनाः
 गा॥७॥ वक, वन्दन, धीखधु, वाल, डगलहा, द्रंदययाद, धीवक॥७॥ लवंग, कयूव, डगव
 हा, धीखधु, यीउठकवाय, हा, डगल, यवकंगव, जीव, विंयिलि, अगुविशुकमाल, लवद, खः

७ गानकं दाय २ ७

१ विवासहचुनाग, यीटसहचुनाग

व, वाल, नूयकंगव, कंकाला, आनिरुल, वंसलावन, धनसमरुग, वूनयाद, साखव, धीवाडा
 सनधाकिवा, धनवालन, मंसद्धि, धन, धनविदाव, विवासहचुनाग॥७॥ रायमलखकनमि
 मर्ग, लखननस्य, गानकं, यीटसहचुना
 गा॥७॥ मानसावगगा, धाधिन, माद, लंगि
 वद, नयना, जीस, विलंस, शवदाव, म
 य, काधस, लंक, स, दायशय, धयाविकि, साक्षात् ॥७॥ वला, विंयिलि, नसन, य, व्याक, क, द्रुदा
 य, यावना॥७॥ मवेव, गुठुनस्य, दगमी, दंदस्य गिरिदानकोदू, दायगानकं, दायवावना॥७॥

धनवाक्काक आनक ॥ ७ ॥ चलसदद मासद्विद्राससथं द्वायवावलावैख ॥ ७ ॥ पुठपुठूनर्मसया
 धुं ० वून ८ धनकंनकास हास्यमानकं द्वायवावना ॥ ७ ॥ कयासयागलनी हलनी कान
 इवदास्यकायाव नयाव खं कृटनि क धडासवद द्वायदाययीनिलारैख ॥ ७ ॥ खड
 त्रिसयाय धुनगाली सि समरुगवूः नयादनयाव आठसगीन हास्यमानकं द्वायवा
 वलारैख ॥ ७ ॥ काखदहा मधुवखानः हा समरुगवूः याद साददन हास्यमानकं द्वायवा ४५
 यवावलावैख ॥ ७ ॥ ऊदा मूल वूनयाद धनस हास्यमानकं द्वायवावैख ॥ ७ ॥ नम ४ युव
 मसर्वका द्वायविकरुग ॥ ७ ॥ अयस्मान् निगिरुया द्वायवावैख ॥ ७ ॥ द्वायवावैख ॥ ७ ॥

१ अयस्मान्नाचया

मि(गाठया विकार ७ लठव दावया अधिकारव वद्विअनिरुय अयस्मान् धवाय रुयकवः
 वाग यिरु(क्ष्मा गिदाय धयगाविधिनरुव ध अयस्मान्नाचया विकार ७ लठव दावया
 खडियाद मवव(गाठ) ०८ धवान द्वाः ससथं द्वा अयस्मान्नाचया ॥ ७ ॥ हाकमाखिवायस्य
 उयवासयावकं न संगी काद्रजा धवि हामल वालावनक खिवानखिहागदाव सिमल
 व हामलरुकाकास्यं न धहामललैः खननस्य कायठसथोठवस्य द्वाससगीथं क अः
 यस्मान्नाचया ॥ ७ ॥ हल ० नयधिवनि २ मवव(गाठ) ०८ केलखननस्य द्वासवालनसुठिसंथ
 हलाठहास्यवव अयस्मान्नाचया ॥ ७ ॥ हसयावहा मवव(गाठ) ०८ केलखननस्य कायठसथाठ

सथाउवथाव उवक्रासस खंठ ३खवसक्रासस खंठ ३थद अयस्मावनाग ॥७॥ क्रावय असाव
 खंठिनि लखननस्यं क्राससथंठ अविस्मावनाग ॥७॥ विकट दूर्धयादक्राससथंठ अयस
 स्मावनाग ॥७॥ वानक कटसयाध कखान मविव क्राससथंठ अयस्मावनाग ॥७॥
 जिनि धुंठि विविलि समराग ली खननस्यं क्राससथंठ अयस्मावनाग ॥७॥ द
 ह (धामो) सिनिकानि यूवायखानिल वली कवोगिविखधो धीन सवा (द) कागि स ध
 याग ॥ नवीवसवदवयलं द्वाकावयंयु (थद) सन द्वायउठंदाव धवायन नानावाधियार्गं कं
 नयथइ नदिसवलथइ न धवागवाधियार्ग ॥ धवागवाधिया विकिसाक्रा खंठ ॥ याव अलंठ

रवागवाधिया

५३

रवागवाधिया

मधयक्रि। क्रादसदलासय। खंठय। खय। लखदं २काकदाय वक्रिदयकं कटयाय धलख खः
 कठ। सादद कठ। खयन धखक्राससथंठ मर्दनयाद वागवायनाग ॥७॥ युउयु आउस दिग
 हल मंसउधान यमलानक मलाद यकं लखदायाव कटवाय वावकन यठडाठ
 दानानक वागवायनाग ॥७॥ वला हा अलंठहा क्वायानगिसि होमल एका मनंठि
 खंठननस्यं दायकं काकहाल (थं) ल वनयाद वागवायनाग ॥७॥ वक्रवेदन धीखधु
 वाल डमलहा क्वासयाद वागनाग ॥७॥ युउयु आउस दिगहल समरागमंसउधानयं
 मलालखनक मलादयकं दायकं गादन वागनाग ॥७॥ वगक विविलि धुंठि हलठ यमा

नि कट् सं धिं शु क्क गा या व द्धि ध्वान का क ली ख स रु स्य गान मं स २ धा व वा ग ना ग ॥ १ ॥ अ
 र्क दू द न का य उ व ला व धन यि ना उ द ला व हो म ल ख न वा ला व अ ऊ ल ध्व जे ड ल मान स दू द
 न द्वा स्य वा न व व ० य स ला वा स्य वा ग ना य ना ग ॥ १ ॥ यि ली ठि रु ग २ व को रु ग १ सा
 द न न स्य या य वा न वा य ना ग ॥ १ ॥ अ ऊ र्ग ध रु ग २ हा क ऊ वि रु ग १ खि ट न न स्य दा
 य र्क या य वा न ना ग ॥ १ ॥ हा म ल व क न दू ध न द ल या व स व ल स दू द अ ली उ य या
 म व ० दा न स अ र्क दू द म दा न सा अ र्क द ल या गी ध न म ल व य य र्क ना र्क न यो व म ऊ व स
 ध रु व नि रु व स ध रु व वा न न ध्या ली यो द म द न यो द वा न ना ग ॥ १ ॥ गाली स मं स ३ वि य

५३

२ वा ग का वृ ना ग सा य वा न ना ग

लि क र्क १ वि य ला मू ल १ धु ठि १ लु व द ल व मं स २ धु क म्या ल मं २ या न क म २ नू य क म व मं २
 उ म ल हा मं २ धु उ डू क ली ध व क र्क २ ध डी य धी वा न का स या र्क य ॥ १ ॥ हा क ऊ वि धु ठि यि म
 नि यि य लि ध व गान वा द्धि वा सि ख ठि व द्धि य वा क य द्धि १ आ ध या व मं स ३ धा व ध डी
 स व ० आ स वा ला व न व ली धा व न सा ध वा न ना ग ॥ १ ॥ दि ठि वि अ रु स टि न यो ला व
 रू य वि धा व यो दा व वा न न ध्या ली ० य स ग उ या य वा न ना ग ॥ १ ॥ अ ली उ व क न यि
 रु ला ० ग म नि व न क रु य का ० वि मि दि ध या गान स उ या य व न य धा ना ग ॥ १ ॥ क ला ग
 हा क ऊ वि खा व वि खि ट न न स्य दा य र्क या य वा न य धा ना ग ॥ १ ॥ नि व व स उ य या ल अ र्क व

हा शुं १० समरुग (गमगीनन सी वाय वागयथाना ॥१॥ सिममान अंजलरु (थसरुंटा
 किमिक्कायाव धयागीनवाल रुगिददनवाल अंजलरुकायाव लायाय युगसु लिधयसंथ
 यमरुग ॥१॥ गमखाव यमनि सुठगु वृद्धाव विंयलि रुवठ वनूय यनननयिरु
 ला शुं १० धनं दूननसी वागनागन ॥१॥ गमखाव मंस उव दियाल उ अलंठरु
 उकयलिकदा उयुठयु उ निवडलं खयामलानरु मलालनकं वक वागयाया ॥
 ॥ निवमंस उ डगलदा उ गन्ययसावी १० उयुखानदा १० उदामासि १० मवव उ विंयलि ५ ५०
 सी वड सनयसा उ लाहा उ सल उ जीवि उ यमनि उ रुक जि वि उ वगक कू उ ३ लंखरु ३

१ वक वागनाग

धविगी कूठया १५ वागनाय यावकन वून ॥१॥ स वलासाथवहा ददकाद स याख रुकः
 जि वि यमनि शुं १० लाहा सी ध वासं टनन सी दा यकं थालं वाय वागनाग ॥१॥ वादियाल
 दामंस ३ विंयलि ३ शुं १० ३ अलंठय ३ रुक म्याल ३ खदान ३ रुवाटा ३ सी ध ३ रुं वि
 मिदि ३ गमखाव ३ क के टा सि ३ उ ३ वि ३ वक वदन ३ गन्ययसा विधी ३ यमनि ३ ल
 दा ३ सल ३ ययु विमं ३ सुवाकलः ३ म ३ सी सी ३ दयुखानदामं ३ सि विं ३ वगकदा
 मंस ३ विंयलामूलमं ३ धवयुहि ३ लंखयु ३ रुं ३ वकन कूठयि ३ खदन वागनायनाग ॥१॥ याद
 वहा शुं १० वक्र उदाहा रुक जीवि यिमनि विस्रुादन वागनायनाग ॥ ॥ रुस्रवकं

विदुत्या शुभं दूयं ययं वादया श्रीयनं ३। न लं दूकं वायनाद विनन न ल्या वल्लाद शुभं वा
 नवकं ॥ समस्त वकं दावदूयनददवयं दावकं लं याग ७ से रुंदवयं धवकं सवायं न संय
 कं रुलं दावकायवयाव नयोननं सवाभलवयं वाटवयवदाव वागवकं रुवसं
 य ॥ धयो विकिसाका स्यंद ॥ खं थाल व कटगनयस्य दलठि मि वि किं सिं गुठुठु
 ठादलठ सादूदूननस्यं दायकं वाय वकं वागना ॥ १॥ गमखावर्मस उवदिया लं
 आठसठ अलं ठुठु कायलिकदा उठुठुठुठ निम्व उलं खया मालानठु मलादयकं गम
 मिं द्वाय वकवागया थाठ ॥ १॥ निम्वर्मस उवलोठव मि उ दलठ उवदलठ उठुठुठुठ

४८

उसठ दका जीवि उमवय उलं खया मालान ठुमलदयकं गम मिं द्वाव वकवागया थाठ
 ॥ १॥ उलं लदा कं सदा कं थालददा कं रुलं दावका जीवि आठसदा वक विस्वर्मसवाव
 थाठ दास्यं गादन वकवागन ग्वालं रिं य ॥ १॥ यिमूनि गमखाव गुठुठु वददाव यि
 यलि रुवग मूकं ववृण यननन ॥ विदुला काकलं खसदा स्यं गादन वकवाग
 ना ॥ १॥ अलं ठुदा आठस गुठुठु गमखाव वदिया लदा कायलि कदा समकाग
 मंसठ विविद्याव लं खद स मालान ठुमलादयकं नीयदुद्रा २ दास्यं गाद वकवागना ॥
 ॥ १॥ अ (ध) अमद ४ ववन ४ साममत्यर्थ सयिगे ४ अरुं दूयन वं दाव मूदूयं लिययन

व

(क्षयावादा कवानमं घृवागया आमसरिंनकं मनदाव अका समदय ॐ नवया खलसः
 अवधाका वावनेयनेव ॥ सका मिनी प्रयुयने ४ (क्षयावादि मिनेनव । नेदा रु क्रो मिनेन
 न रु वाभीमाव वमनी ॥ य ५ को सस युनवयाव सनुक मजीव आद अनी खलस
 खादीव वमनमद धडस रु रु वाय ॥ धया विकि साद्र सीरु ॥ विरु ला रिय वला सुः
 ल सि वि कटक देवदाव धनं व ध्रुयाद क सीन वालन ड व रु रु ना ॥ वा ५२
 यूनादे विना क्रो मे ४ (क्षयावादि नय वावनि । नना लयर्थ विद (प्रा स्य धमनी रिय य दम ॥
 वायूनय नव ययना कव अवाक (क्षयाव वाव य वा ली (ग उर्थ द रु व य म रु न धनः

उत्तरसंज्ञा नाग

आमवागया, वागलु वया, विकिरु वया

रुवया नागी सय यिस वर्व घृ ध आ म वा ग धाय ॥ धया विकि साद्राय म व खान (ग खाय
 व व धया रु रु रु रु १० समरुग दुर्धयाद सुक वालान व का वाव खी न रु या व मान
 आमवागना ॥ दा र्ध वृ ध क समरुग म द द शू ला रु धो रु व न ॥ सर्व व न य धू ल व य
 यन ययन । व रु ॥ वाग यिरु (क्षयावा ग यिरु वाग (क्षया यिरु (क्षया स न्निवाग आ
 म धया गा धू ल स वाग य धान ॥ दि ये स स रिय वलि म व ये यि म नि य म स खा व रु ल
 उ र्ध ध धन समरुग दुर्धयाद वाग नीन मं ठा र्ध रु र्ध गा द वाग धू ल ना ॥ १॥ अ म्बः
 लेगी को व वि ठा वी गी मी द स गी धनं स सा ख व का द न गा द न दि रु धू ल ना ॥ १॥

खयान सुरु विवी दिगु विकट धन का कलख सहास्य मांठ विदावधन लना ॥१॥ वा
 न विस्मय द माथु क वा मा निव मिथिय ॥१॥ कुरु कि क स नि द ला व ल सा दा व रु स रु व ॥
 वा न क र्म म ल म रु खी वी रु क क र्म ट का न ट का क यी ग या क या स वा व ड स्या सः
 कुरु धन वंध या क ल ड दा व रु म य रु य ॥ ध या वि कि ल सा क्रा य ॥१॥ ६६ धी ॥
 य न न न य व म ल दि ग रु ल ल ल ख स म दा सी ध व व रु न ड दा व रु ना ॥१॥
 ॥ द वा वा ना द या खे र्थ मि थ्या दान वि रु वि ॥ क र्म कि य श्र य गु र्म का वा क र्म कि
 वृ वि नी ॥ वा न आ दि य रि न क द वृ रु व दा व लि थ्या द थ्या न न या यी ग य स र्क न या

म न स्य आ या दा ना रु द य का व द या य वा य यी ग द व न ग म उ या द यी ग य व रु व
 क दा य द रु ध न न न म या ध रु ल या ये या वि कि ल सा क्रा य ॥१॥ कुरु ला स र्थ दि ग द रु वि
 सी ध ध न र्थ स हा स्य व न क वा न रु ल म ना ल ॥१॥ मि द स रु ल उ ध व न ग मी
 स ग म रु उ वि रु नि क्रा ट ग द न वि रु गु ल म ना ल ॥१॥ यि म नि वा न ध व नी स
 व रु वी न रु स्यी गी द न ध रु गु ल ना ॥१॥ अ ल स रु म रु क वा य नि क ध मा रि
 वा ना ध स न य सी ग स वि रु नी व वि रु य न रु द दा म य य रु वि रु य दि रु ॥१॥ का क
 या रु या द रु क रु वा य ध न न ल म य क ल अ नी ली य सी ग स अ नी वि रु स व ग

२८ लं गम ३ स्याकनाग १ दं न स्याली वायासं रि ३४

थंया लं लं (गम ३ याया विदागा रुद ययिस बय युव वृयसय धया वि कि साकास्य
ह ॥ मवव युव युको कलंख सदास्य गादन लं (गम ३ स्याकनाग ॥ १ ॥ विंयलि आ विव
नयाद धव कं लं सास्य गाद लं (गम ३ स्याकनाग ॥ १ ॥ यलाया लं कं वि वि सि
क ० कावी याखान रुद कल रु
हा खान स्य ध का कलं ख सदास्य
दद स्यालं दन स्यालं वायासं रि ३४ ॥ १ ॥ वला विंयला मूल धव कान का सदास्य
नोन कं लं (गम ३ स्याक स रि ३४ ॥ १ ॥ कल सय नी ठावा वोल नस्य लं युव स्याक स

ओ

२८ लं गम ३ स्यावनाग १

गुल्ल शूल स ना ठी रुद स धन स रि ३४ ॥ १ ॥ विंयलि कला सयं वा मस ध वि ल व नि
वा वाल न कं लं (गम ३ स्याकनाग ॥ १ ॥ काल सादा यान याद कलि म्याला सथं द कलि न
म्यालान वं कायास्य दादा वयं डा
नाग ॥ १ ॥ वाला ठ विंयलि लं
कुलि सया रु ल दास्य धलं ख स रि
वलि (गम ३ ४ उर याद वाव कं ख दा ग ४ विंयलि ४ य म मं ग १ य स वा मव व वा लं
खन रु स्य व न (थं धन कं न या व गान कं थ (थं निय दा गा वा स न वं मव व य य का व

लेख उदयं धावनया व नैठनया (धं नया व धा धं निगा क बढा व रुल छिआ व (गठ वि
 न धडा स व न व न धा व नैसी ले (गठ स्या क ना ग ॥ १ ॥ अ मूल यि रु सक ल स स अ जी ध
 स ध न स द व ध डा स व या नो म द
 उ मु या धु य खो ठा नि म्ब खो क न
 क सी न वा ल न ले (गठ स्या क ना
 नि य ग ग व यो ना ग । आ य म त्या ध स ना व जी ध स म्ब क कानि क न्ध ग धो (खो
 ॥ १ ॥ अ य क ल नी व ड व धी न ले धं गो दा स द ठ न ले सी स ग या ल या सी स ठ आ द

३२

२ म्ब ग ठ ल बी ना ग

न ग लं दाय के वालं दाल स आव व सु आ दा व या लं आ दिन अ गी न ल अ जी ध न वा न
 यि रु (श्रव्य स नि याम अ ल्य य नी व धु के अ समी ध न न या गा म द क द ॥ ध या यि कि त्या
 दाय ॥ १ ॥ य उ मु म स उ ले व द स
 उ स था सी गो द म्ब ग धू ला ॥ १ ॥
 के स हा क ग हा गी गो सै ल दाल
 न के गो द म्ब ग क द ना ग ॥ धु क म्ब ल उ म स खा व यि व लि सम रु ग य टा धी नी स द स
 गो द न न क म द नी म्ब ग धू ल नी ना ॥ १ ॥ का य न क क यि न दौ टी म्ब ग धा णा मु या द स ।

यायामगुयिद्यामाये वानिकुधुलि कादय ॥ जायवयय मयाघाठ डिमस्य गा युका
 दाभा कोयवयय वाके लान मययौ लं हा यायामगुधु लकधव मयाघाठ रुयै रुव
 वान कुधुलिनीन यो डिमस्य गा धयाविकि साक्रोय धाव अठ अलं उ हा वगी
 लेखननस्य गोठ वं धनायना ॥ अरुव हा सविखाव याला उ वनि नस्य गोठ
 न वं धनायना ॥ ७ ॥ अयामागद द्रुगाल यमसखाव तुसगी सखास्य गोठ न
 वं धनायना ॥ १० ॥ मवाऊगीय १ अम्वलंय १ ॥ साखवय १ ॥ हा मलम स ३ सवी खावय १
 अ ३ वं धनायना ॥ ७ ॥ सलं यलं खय यमसखाव गासगी सखास्य गोठ न वं धव

३२

नयासखं स्वयमखं दधानि या म्यादकान यवस ॥ ययासिन वानयानं युठ येकर्म यय
 मरुठ उके रुठ रुठ सर्व ॥ आसेन स सयास सुखन वांयया धविठुगाठ रुवया अनाल
 लीया मकाकाया मववक वंथाली खगोठ या नकक जाठुनलं धस गासविका
 वस यमदया दठुदा का धुय्य द ठुन जायवय ॥ धयाविकि साक्रोय ॥ गिरु
 ला मिवाकिरि काखठुदा मरुव रुडाव विवखयल समराग वृक्षयाठल
 खसंनव वल सद्द सनवे हास्य गोठ वं कामदना ॥ गिला उठ मदा काल यावाग
 वव नव वसा अ नव नव मस ८ साखव ८ कर्कटासि ८ यिवलि १ वंसलावन १ अंव

ल । लवद्वय । शुक्रद्वय । व्यामका । वृयक । कृगिनिन्यासं नव । द्वां नवध
नवानयादक । सिनवालनक । नकभदना । ॥ १ ॥ यावासव । चला । विंयलि । सम
रागवानयादक । यवाक । लालागी । सख
सत्या । १४ साखवमसत्या । १५ दिगुल
लालाभदना । ॥ १ ॥ वकसि । कवः
दन । ०० कभदना । ॥ १ ॥ निम्वगी । का ० दास्यं नादन मूनाभदना । ॥ १ ॥ वटकदा । का ० दास्यः
नादन । नीनाभदना । ॥ १ ॥ ययलका ० दास्यं नादन । शूलभदना । ॥ १ ॥ यं उर्व । अयुवका

५४

० दास्यं नादन । लावनभदना । ॥ १ ॥ मित्रकिंसी । का ० दास्यं नादन । मंतिवमभदना । ॥
गिरुला । दिगदेल । मिदसे । धनका ० दास्यं नादन । रुनिलभदना । ॥ १ ॥ अयायामदि
वाखय । (शुभादात्रयिणाविर्न । म
मयकाया । दिनसठकाया । वाक
वययास । मध्वस । आमर्थ । सखव
मुनयानदाक । रुदिमदावाग । धयाविकिसाकाय । सिंयि । आनि । वि । केद । दिगु । शुव
कुल । धविनी । सखास्यं नादन । वागभदना । ॥ १ ॥ गिरुला । गिकद । विम्वनवालव
(वागभदना)

लानानस्य (ध्वजमदानां ॥ वा ॥ दावा ॥ सर्वविमन्दा ॥ प्रा ॥ सुगुणामद ॥ वा निव ॥ अजी
 र्ममलि (गन्धनेकु यन मलसंवयाग ॥ वाय ॥ सकलदाय ॥ अग्निमन्दाय ॥ दवेवाग
 अगीशय ॥ अजीर्णया कनान नय ॥ वाकमरुल ॥ मलथाकवय ॥ वा नवेव ॥ दद
 वाग ॥ १ ॥ ध्यायि कित्सा दाय ॥ १ ॥ गनय द्या दानस्य ॥ मादन ॥ अल्यवायना ॥
 हल ॥ यि यलि ॥ सुवा दल ॥ संध ॥ दायक ॥ लख सदा ॥ स्या मादन ॥ अल्यवायना ॥
 ॥ १ ॥ वटकदा ॥ युटिकायाद ॥ मावसदर्थ ॥ दनक ॥ अल्यवायना ॥ १ ॥ गवका ॥ वद
 वागीयानामर्थ ॥ लस्य दस्य ॥ यन सधियक ॥ यास्य ॥ नरावसर्गिनक ॥ नस्य ॥ अल्यवायः

अज

ना ॥ वदिया लहा ॥ धं वाहा ॥ ददननस्य ॥ नानक ॥ अल्यलायना ॥ १ ॥ अम्वलगी ॥ कलीन
 वालनक ॥ लंका वायना ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ हल ॥ यि यलि ॥ मरुल ॥ उठानवालनक ॥ लंका
 वायना ॥ १ ॥ वदल ॥ वठवि ॥ धुं ॥ दिगु ॥ कूट ॥ वटक ॥ यिमनि ॥ धनर्थ ॥ स
 धरुव ॥ थं आगी ॥ सधरुव ॥ दस्य ॥ मा ॥ दन ॥ गुला ॥ वायना ॥ १ ॥ यिरु ॥ नेक ॥ कदा
 दाय ॥ दधु ॥ दसा ॥ ददि ॥ मिना ॥ नीला ॥ वद ॥ गनिक ॥ रु ॥ कया ॥ लुका ॥ नस्य ॥ १ ॥ दुस
 धं सदा ॥ न ॥ माथ ॥ गमा ॥ दनि ॥ ववा ॥ दन ॥ १ ॥ वागनी ॥ दिनी ॥ (ध्वजम) ॥ धस्य ॥ गा ॥ दल ॥ न ॥ द
 दिना ॥ का ॥ यव ॥ ववाल ॥ वाग ॥ समहि ॥ य ॥ सव ॥ वयन ॥ मरु ॥ य ॥ कालन ॥ अली ॥ वाग ॥ का ॥ यव ॥

लं धर्म्मगानं गंदाव विवन नाणी सरुद वयाव धदा कायि लुवयाव सव्वा लाक ४
जं नवस आशययार्गे ध धिं शु रुव समदायन रुका प्रिधे रुनं मंन क रं धयो रि न
याठ आव द्वाय ४॥ धयो वि कि से य ॥ कला गदा यागी स प्रि क रुवान याठ रु
स्यं गाठ माठ वाय नाग ॥ ५ ॥ आ नदू द्वा रुग व ॥ ५ ॥ क्रय लि क स्नान दाव क
लावन क दल न स्या दा य का क का क रुल (थं ल य न या य मा य वा य ना ग ॥ ५ ॥
खय लु अव स दा स्य का क का क ल य न यं रु यं न स्य का क दा स्य दाल (थं ल य न ॥ ५ ॥
यन का दा स्य धदा का य मा य ना ग ॥ ५ ॥ य सा क दि ग रु ल दा वं सा स्य ल स्य द स्य का

भावा म द य या

स्य भावा का व दा स्य ध रु व जाय न व न दा स्य ध रु व ध य स सा स या न दा स्य न स्य ग रु स द म रु त ॥ ५ ॥ य व स वा
व र्म स १ स्व दा ग १ रु क जी लि १ ध रु वान स्य म ला ली ख न रु म ला द य क र्वा य नी दा स्य ध नी य दा स्य म रु यी का रु
नि स्य स्व रु टां दा ल स ता ठ उ व म रु द्वा मा वा द म रु य ल रु ॥ ५ ॥ भा वा द य क वि कि ल्मा दा य ॥
का य स्नान दा मा वा सा उ व रु या दू द न न स्य म रु यी का रु उ य वा स स नी का रु ना वा य द म क र्वा
म रु यू आ वा य दि न स ध ध न दा व डा स न न क र्ग ति नि मि सा या र्वा मा वा ध ल रु व य ॥ ५ ॥ नू य ला
न रु रु या क र्ग व का या व ध रु दा स रु स्या न दि न त जा न क सा दू द वा रु ट व मा वा द्वा व रु वा व या का
य वा य क र्वा र्वा ॥ ५ ॥ प रु क व द म धा क व द य लि गी क व द वा डि क व द व सी क व द ध रु य व क व

भावा द य क या

सयात्रिकि साङ्गायिक ॥ गीकिकुवदायादा प्रासावानसी डिमदे नदमउदवाँनरुवद ॥ नोयिन ॥ १ ॥
 श्रीखंड ॥ मिदि कलवट शिरुला उदल वठमि पुठपु यत्रमृदात अवन अठठन वकलसकलम
 कीमवाङ्गी स्वयनयार्त्तकाध धस्वनयः ॥ किनक लायसीदायक ॥ १ ॥ कवीनयकर्म ॥ १ ॥
 कलायुक्तिमीय ॥ अयामार्ग ॥ अजलरु ॥ लि ॥ किमवाङ्गीक ॥ डिनिशानयातम ॥ १ ॥
 उ ॥ लखक ॥ ३ ॥ धनवकनखदकलन ॥ नायक ॥ १ ॥ अखगन्ध कायून मानल ध्वननाद
 अदिय लहाउकठवसदा अयामार्ग समरुग पुठजानवातनमीय ३ धडासक लयाकनकिमीया
 न्यायमीवख ॥ १ ॥ सिनखावददवा यिपिलवानायमलवयावनसी सदाकक ॥ १ ॥ पुठपु अयाम

मुँदं न मां घृणाय नाना ॥ ५ ॥ वासिखति ४ विंयलि १ यमनि १ हाकाजावि १ धुं १ धनं वृ
 ननस्यै यवाकका १ धयास वालावनं मंस ३ आमीमयास्यै धुं धनं धजान सा ० वाग
 ना ॥ ५ ॥ हलउमंस १ धुं १ विंय
 कलखसकास्यै नान मंस २ वानय
 दनय २ धुं २ दवंदाव २ मूल
 ठाकल कसा १ धनं कर्कयादका यवागव मवव कर्क १ धुं १ सिंयि १ हाविमंस ३
 लवंदखव ४ धुं क म्याल ४ धुं क म्याल ४ धुं क म्याल ४ सा ० वाययाठावन विधि ॥ ५ ॥

यत्रानकालार्थं निमित्तं मनोद्विज्जिह्वं संधनमैतयस्य धनंवानन सस्यंगाढ
 मीयुवायनागा॥७॥ यमेनि हाकजीवि यात्ववानकाखरु समरागधनिठानेवालन
 कमीयुसाधवागनागा॥८॥ क
 मस्कावद्वलन ४ यायलकाया
 नर्मनकव न्यावकव काससन
 यधयायिकिसाद्राय ॥७॥ युयुवि (म) मूयसकाढनवे ववधुयकनसकाढव
 नादन वागनकासमयनागा॥७॥ श्रीखंड ॥ धूमिदि को ० यव डमलदा डमल

३८

दूदननस्य धनंनलयवयं दयस्यविरुन कासमयनागा॥७॥ प्रिकट प्रिकलायव
 सखावसविखाव धनकाकलखसकास्य नाद (म) मूयकासमयनागा॥८॥ खल
 सस्रथाटनदादावद्वर्कवृनाम
 नागा॥७॥ निवद्व ४ स्वय
 द्रुसा गल ३ गधुनमादि (म) गा
 यटवावगलस गवधंयंदव प्रिकनिंदव धगलगधुधाय ॥ केकेयुकोलामलकय
 मा (म) ४ ककासमयागलव के (म) य मय ४ कका स्वाश्रि वमन्ययाके ४ स्यामधुमाला

१ गजालया

वदरि सुगलेशा वयवर्थ कालसर्थ जीवलर्थ याकासंथश्वद्रसथाटलीवनथश्व
 वगवसंथश्वद्रखलसन्धिसंथश्वद्रधनसवयदाकवा (शुश्रूषानआयवयमानउद्रि
 थरुवनाकालवीघगलुमालाध
 द ॥ थयाकास हलठ लखननस्य
 दाढववयाडासवर्णिगु ॥ १ ॥ रिः
 उयाढउढववयाढवख ॥ १ ॥ रुयस्वानदा गलसधवववर्गली उढवख ॥ १ ॥ नाय
 अयवादिनदा साखवववाल् लखन नस्य गोनर्क गलीउनाग ॥ १ ॥ चकावकन खव

जले

१ गजादया

लीक्षत्र दिनयुगिकाससर्थदन गलीउनाग ॥ १ ॥ श्रीमवाउदा ययानरुगुललस्यदस्य
 डाकद्रुढगलकाखायर्क नस्य गलीउनाग ॥ १ ॥ अंगीस्वानदा वकनसकालनर्क गली
 उनाग ॥ १ ॥ चकामादलति (गो
 समल मरु साखव वानयाढन
 वसखाव दकी सिधेव गलीउस
 हल नस्यनादन गलीउनी वमडावर्नानाग ॥ १ ॥ किंरुलस्वानमीकवर् ॥ अर्कदूद
 कवर् ॥ लाहानीकवर् ॥ दामलस्रकठ ॥ लखरुंकि ॥ धनसखरुन द्राससर्व द्राससर्थ

० यलीखदा ॥ ०० मिमिदि जीवलमवकाल
 नस्य गलीउनाग ॥ १ ॥ सगुंउ लीला विय
 याढनवासी गलीउनाग ॥ १ ॥ दिगदुललै

~~॥~~ एकदं (भा) लिग ४ (भा) था वृक्षानां पूर्व लक्षणं न वद्विध ४ स्यात्पृथक् पूर्व ४ दायादं
 गमु उरुथा दिधानस मंदवानय वागनयिरुन (क्ष) आन सन्निधानन दीन आगमु
 कन धवना विधिन मादवान ये । दानया पूर्व नयल कला धया विकित्सा
 द्राय ॥ ७ ॥ दवक खददा वासिख ठिदावा डन नो दी (ग) मु व लन स्य दायकः
 याय गवगव दानया मादवलः ककु यसरु ठिआ दिवसे उठ कंदाल (ध)
 याय डरुमख ॥ ~~॥~~ द्विधा युल ४ य विद्वयं नी नी ना गनु रुदन ४ ॥ दाखि वा य सुय ३१
 वन्य ४ ॥ नी मुा दि दन समु व ४ ॥ न ना य का व दानया सय नालि वया सद डन शव वा

आगं कन शव वा वागयिरु (क्ष) आदिन दान ल सुद्राया गमु ल दान लाद जा
 यन य वा ॥ ७ ॥ नाना धव मखे ४ नी मुा नाना लान निवा नि न ४ रुव किना ना विधया व
 ला सानि नि नि वा ध म ॥ गल गा य नी ल वां गृ धा न गमु या नाना य नी ल दान ला
 य का र्द ल उल दान व द रु व नाना य नी ल शव दान र्दिन क स द न ॥ वल या नी
 स धा व ल या नी ध या वि कि त्सा द्रा य ॥ द स दान वा ले क र्म ३ अं गु लि द्वि धा व
 दाय कं ठा स्यं ध नी डा स न वा म ध वि व क न द्रु द्वि वा ना र्य दा स्यं डा स द्वा क स्यं का व द वा व
 य क न द्रु क स य ध व क न न ग व क व द न स थ रु व रु ठि स थ रु व नाल ला व य क डी

वधनं वकनया कायउसथास्य, कटवायमटव, यत्नकदायकन, धविग्नवनवनव
 दानस, हंसयोन्याल, ०८ कनस्येयाय, दानसरुक्कुनकं याद द्रीयमरु, वधामदूल
 वावयत्यख ॥ १ ॥ विकट, गिरुला
 यियलामूल, मवस्थान देवदान
 उमिवर्किं सिंघाति, खवाकल
 युतिर्मसत्या ॥ १ ॥ धाव शुभु विकर्ष ३ धुगुगु निया नाम, सकाविं गनिधाय ॥ धुगुगु विः ३२
 लिगसगवमागन, ककु वनदास्य रिंय ॥ १ ॥ दानस, दानलसठनवय ॥ १ ॥ सनाः

नीकउक्ति, संसुलिमिकवर्मस ४ धनगाडासवण, वकनमून, गवगवद्यावयारिंय ॥ १ ॥
 यियुगुर्मस २१ धानिखान २१ लेखकउ, वकनयुक्ति, धवकनमून, यमलागवयद्याव
 सथरुव, यसरुठिसथरुव नंलः
 यस ग्यालोव सिंघन, यालुके गद
 २३ असवयतिर्मस २ वरि ४ लेखक
 दिन, गवगवद्यावयारिंय ॥ १ ॥ खयल, हाकस्थानदा, ०० मिमिद, दलउ, कटक धनेस
 मरुगलखन नस्ययाय, गवगवद्यावयालाववख ॥ १ ॥ खलमिसि, धननस्ययाय, गव

गवद्यानसलावायक ॥७॥ दंसयावदा वकनवा खठवै रिय ॥७॥ गवगवद्यानया
 लावायक ॥७॥ खलनिसि ॐ विमिदि लेखन ०८८ के नस्य अधनीनवक्रिधावसला ॥
 धनवाला लयादन वलक्रीकनः दाव धडासवथोल घावयारिग्या ॥७॥ यि
 नकायानडासन अवकाय ॥७॥ खलनिसी मकठमसे लयननयाव दवन
 खलनिसिने मकठमवधानदव ॐ विमिदि वानाय ०८८ के दानयाव धव
 ननवागिसहेस्येन घावया ॥७॥ घावठामठस्यवानदास्य कठनयनरुख ॥७॥ जा ३३
 तिस्यानवाल निम्न घलाठवनि कवडा सध ॥७॥ विमिदि कूट हलठि मिचकिं सि

आलया वायवी

कठक मनीठिका ० यन सुत्तादहलठ डहाल थुमीकदलसवाल युगिगनिन वकन
 ह ॥ लेखेकठा खेन धवकनयानाम आनिकादिने ल गवगवद्यावठ यक वकनध ॥७॥
 ॥ गवगवद्यावस यि ३ के खयलम सा १ दं गाल २ हलठ २ शबलातीनकास्येन
 स्य घावसयन ॥७॥ दं यिनिदा माहलठि हाकजीवि दंसयाव खयल घा
 वसयाय ॥७॥ मिचकिं सिखला मंस ३ ॐ विमिदि ३ गुठठामीय २ वकन
 घा २ खन घावयारिग्य ॥७॥ यियलि उमामासि रुविधव मनगील ॐ विमिदि
 रुक्ताजीवि मिचकिं सिक्क मनाठिमाहलठि धवकनखन घावयारिग्य ॥

श्री

श्री

1843

श्री

ॐ

[illegible]

मृगारुच्य

महु॥ उलया सं क्रयमाणलगाविधिद्राया सं धिसंधिसव लउलका म डल्यिः
 सुसंधिरुनंदावविधियुउल अयथय तवेमानं ग्याक गितरुनंदाय कमुठि
 संधिविवनंदा ल धमीय कदायः ॥ कोनगयकाटाव थंदास्यं वव न्द्रिकय
 य॥ कोनगयकाटा कालस्यं स्याक संधिदाव धअ धयय॥ धनं नयुगारु
 य॥ धयाविकित्सा द्वास्यं द॥ लादा दालं गुदा मृगया कंदक कठि वि नग
 यय्य संधिमना ध दलउ द्रलवन संधिसिं गृयायाय॥ ३॥ शु० केल
 ठ लग मनीनेन संध्याय द्वादायादियाया ल ८ ला द्वा ल डरु मख ॥ दलउ ध

इनीयीयीय, कृक खलदाय, कृकयागवानुया

गववाहाकलुलीवाहा, दलठ, समरागकलीनवाहन, द०यीयलकृकखनधा
ल, कृकयागवानुया, डरुमख ॥ ~~३३~~ ॥ मिदयखवा, यलसखीया, खरिननस्यंदा
स्य, कृककाकन, यायदिनननि
वा, नयायदिनननि, रात्रसयाय
कन्धालहा, हाकजीवि, आठसहा
नन्धालीरिंघ ॥ १ ॥ दवदावकव, धुं ॥ गगयस्य, अलीठहा, ठंठन्धालीयायरिंघ
॥ १ ॥ सवलास्वाथनहा, ददगाठ, सवायाखि, रुकजीवि, यिमनि, धुं ॥ लाहा, स्यं

३३

१ स्याकसिकया, न्धालीरिंघ

ध, वाखरिननस्यंदायकयाय, न्धालीरिंघ ॥ १ ॥ खखलहा, खयल, खियनि
रुकेजीवि, गगयस्यवा, खरिननस्यंदाय, न्धालीरिंघ ॥ १ ॥ कनवीनेखान
रुल, खरान, नूयकन, नस्यंदाय
१० रुलठ, वरुलठ, अंवल, मरुव
खनामल, मठखान, दवदाव, धुं
कखदमियेकीसि, निम्बरुलठि, धुं धुं त्रियु, डासनर्मस ३ धाव, न्धालीरिंघ, धुं
धुं त्रियुन ॥ १ ॥ जिनि, हाकजीवि, यिमनि, समरागयून, डागि, (गठठा, धुं ठि

विद नस्य ॥ लादीन, यीट उठ कचया दवा दया रिंटा ॥ १ ॥ ल्यं का मस वि वन व अलं उ
 य, दा क ऊ नि दाम ल साद द न न स्य या य दीन स्या कया रिं घ ॥ २ ॥ य ४ ॥ अथ मा
 न मि गिय क म य दू ग र्क या वा व व
 न गिय वि दाम स्य कानानि यु व वि
 व न य वाल नै दि ली ना क म वि म या
 द स्य द सा दान न या स ध क्री द दा या व वि दान व य य ध न द (थ या दान ना उ न
 य ना ठी व व ध या वि कि सा क ग ल व ल स क्ता य य नी ॥ द ल ठि क द क व घा ० य

लं ख दा वाल सिं दा ध न व क न व द न ना ठी द ल ना ग ॥ ३ ॥ यु द स्य द्यं गु ल द व य
 ध न ॥ यि टि का रिं क म ॥ रिं ना रु ग न द वा क्क य ४ स व य व वि (ध म न ॥ अ याम याने अ
 गु लि द व न वि व न के क क न यी
 य स य ध या वि वि दाना य वि ध या
 मि दि द द न न स्य या य रु ग न द न
 घा ना द धा व ना द स्य स स व ना द ॥ यानि य रु मा च रु व नि सि स यं वा य द न वि वि ध य वा न ॥
 ला क ध न ग या ल सिं द्या व ला क वा न द या दान म स लान अ गी मि ध न या दान ध न यानी य

रविश्रीलककुववया

विषदायने इय् दागाडयदंनर्वनानाअयवात्रादायवय ॥१॥ अकर्मकुरुल्लवृद्धियाधि
गङ्गागिमूटधी॥ व्याधयसुस्यजायन दणवाधौचभूकडा ॥ यथागमसयकोलिंगवधनकय
स्यसगुमुखेया ध्यावाधियायत्रयः य किमयागाभूकदावधाय धनैनमायीविः
कित्साद्रास्येह ॥ ॐ विमिदिथाउमलि रुल माहलठि ख्यालसराग सुखेदनन लनः
दीसककुववनाण ॥७॥ अ० यलखः नाय ॥ ॐ विमिदिमिसल याधत्रकस्त्री ॥ मिवकिं ॥ ३॥
सिंहलठिखकनय ॥ लखकठ ॥ धकनखेदनयासी लिंगसववककुनाण ॥१॥ नसीजनलख
सवालावयायनेव लाणयवा मनययाकयालकासवा लखनयालाधयायनेव लिंगसककु

रलिंगसककुववया

ववनाण ॥१॥ खगमालरुलरुलठि विषखयल ध्रुवगा वूनयादन कबीरलखनलिंगसककु
सलधनदाव धवाननदासीद्रादाकबीरलखनसल लिंगककुया धविधिरिंघ ॥१॥ डाविस्त्री
नकनवीरखानध्रुवगा यादूयालदिगः रुलयमिमिस ३ यामलालखन रुमलादयकीदा
यकाव धलखन ककु ससल लिंगककु नाण ॥१॥ अ० यलखरामिस ३ वूट ३ लखय २ वक
नअशू २ धनखेदन लनलिंगसककुना ग ॥१॥ मिवकिं सिं दुवनी ख्याल सुठिअमत्रक
व रुलठि ॐ विमिदि यमिमिसया ॥ १॥ धात्र वकनय ॥ लखकठ ॥ धनखेदन नल लिंगसककुवव
नाण ॥१॥ ठिकेद्र दिरेला मसु विठं स पुठेगु वनकदा यलाठवनि विंयलामूल मवखानद

रलिंगसककुववया

वदान् ल्यं रुत्रियस्त्रुवामूल सिंघिं कखदहा दलठि मित्रकिं सिं वा रुत्रि स्ववाकल यवसखा
 वस्यं धुं गडा विं यलि धुकमाल त्रुमिर्मसया ॥ १४ ॥ धान् पुगुत्रिकर्ष इ खन धगुगुत्रियानोमसका
 विंगतिधाय धगुगुत्रिखदानस्यं दुयदं
 नद्रयख ॥ १५ ॥ विद्यान् पुत्रूनध्वयं
 एकमानममव ॥ १६ ॥ दूययनि सक्थून
 वृडानववननन्यादा लाभलिठियादा आदिन पायकर्म यातदान वाग आदिन संगर्व सवसहा
 सलासरुदवयय कोयवयय सकलंकसर्व वागयिरु वागल्लोका यिरुल्लोका सन्निपाग धद्र

जनलिंगसद्यावदकसनीं ककुववसनीं धनन
 नीं पायकर्मवकर्वनीं न वागादयमुयादव्याह
 सकेकादवासंयह ॥ १७ ॥ वाक्कलनडान धंकादीगुः

३८

रकुसा नायया सलिलसासंववया अयकोसवाय

सगानं डायवयकवूनाय या धयात्रिकित्साकाय ॥ १८ ॥ दवदानदलहनय मादलठि युयिका
 लामूगलनस्यं निरात्रसयायदिन गधनन लकं कं विना ॥ १९ ॥ गिरुलाकर्म श्रिक्कट्टकर्म श्रिक्कट्टः
 सयमंसडलवंग खवडवनकडमस
 यमिर्मसडललित्रस्यं धववया क्रयका
 मलवा कल्ययाद कवूना ॥ २० ॥ दिठि
 लठिविंठ कठुठिया यधनकं यिनकादु लठु सधंठु लठु नक धवासत्र नीमनरुगनकठ
 व निरात्रसमठव कूवूनायना ॥ २१ ॥ संखाल यलका मनाठि खयलहाकडावि अलंठय ध

उंठि मिदि उद विद्यात्रयुश्चूनयादनन दिन
 सखासगुल मीधधनसंरिध ॥ २२ ॥ वालाठवादा
 विक्किल्लाकाठुदलठु वालाठु लाममिननस्यं

रुधेनाय धगसिनि ॥

कसूया

तं कसूया लयनद्वारा ॥ १ ॥ गंधकं रुद्रिधात्र वकवि सुहागं सिंधव द्वाकनहा यस युनिमं
 सउमदागि कर्षश्चकनकुठि ॥ गमसूयकठा ॥ गुरुतामंस ॥ कसूयककूया चकनवनं रिंघु
 ॥ १ ॥ चतकहा मत्रव खिकं गुठि खं
 घृशत्रा ॥ १ ॥ यावदधमंस ॥ गंधकं
 अयू ॥ रुलु ॥ वकवि ॥ मत्रव ॥ धसंग
 दूयनकहा खंयाल अठगि विहा रुलु वत्रमत्रव अर्कयाग (धमगुठं) यस सरिंखं वत्र
 ककूया चकनवन ॥ १ ॥ मननीलमंस ॥ अर्कयाग ॥ मिचकिं सिं ॥ चकवंदन ॥ कवंडा ॥ अतियस ॥

महिंसीववककूया खंडाहाककूयाना

रुद्रिधात्र ॥ वकवि ॥ सांधा रुलु ॥ कठा ॥ मत्रव ॥ वरुय ॥ गमसूय ॥ उवकनय ॥ मरिंघु ॥ ककूया ॥
 चकनवन ॥ १ ॥ अर्कमंस ॥ चकवंदन ॥ चकनव ॥ विरवकवि ॥ रुठुय ॥ रुकडी ॥ विरयिलि ॥ मत्रवर
 मनी ॥ ० ॥ यसरुठ ॥ वर ॥ गम ॥ यलंखदा ॥
 चकनय ॥ २ ॥ गमसूय ॥ उधचकनन रुठा
 ठि ॥ यिका कूट ॥ यंसलि ॥ (धमगुठं) धन
 कूना ॥ ॥ गीगमात्र संस्य गाल्यदूय करुमात्रनी ॥ यिरुनसरु संरुय वरिचनवि सर्यग ॥ १ ॥
 चिकसरु सरु लं वागवा ॥ धमवाकायत्रयाव ॥ धमयिरुनटंटाव ॥ यिवननी ॥ दूवननी ॥ वायवयय

वृजयुत वायवाययावववकाकूना

(कद्वलवानया)

॥ कयत्रवागयाविकिसाद्राय ॥ हाकजात्रिमंसर गुरुगुरुगुरुगुरुगुरु यिमनिश्चात्रन कयत्रवा
 गया युगसुडागन ॥ १ ॥ यिमनिमंसर दालुमंसर (गुरुगुरु यिनिधुनिनमंसर धात्रयत्रवा
 गनान ॥ १ ॥ यिमनिवा (गुरुगुरुवानसा
 हियिरु युकायियानानुगुआयिदगुं न
 सन ॥ १ ॥ धाधमजावमनिधु यादू हयः
 सिद्ध (धनिधियायुत्रययंवांघुघुनं धनन अमुयिरुकायत्रययधार्जंटां ॥ धयाविकिसाद्रा
 य ॥ धाठं सिंसवाव द्वासिनंठव धाठं सिंसयकायाव आठवाय अमुयिरुनाग ॥ १ ॥ जात्रिमंसर ३

नां कयत्रवागनान ॥ १ ॥ वित्रददधूमाववाः
 यिरुसुदगुयत्रिगयत्रायसुदमुयिरुयववनि
 यिरुकायत्रय अमयाननयसं यिरुयानिमि १०

अमुयिरुनाग

१ नि x

(अमुयिरुनाग)

साखत्र उकद्व वियालाउनस्यं निरात्रसगनकं यटनधनधनदाव (गुरुविदगंनकं यिमिस
 निनमंसर धात्र यमि अमुयिरुवदवव ॥ १ ॥ अंवल अरिवदा साखत्र समराग कसोनवाः
 लनमंसर ३ खाद लंखनकायास्यं अमुयि
 ग कसोनवा लनमंसर ३ अमुयिरुना
 समराग कसोनवा लनमंसर धात्र अ
 यीयिलि समराग लंखननस्यं नान अमुयिरुनाग ॥ १ ॥ मसुविवानस्यं अमुयिरुनाग ॥ १ ॥
 अंवल यीयिलि अरिवदा द्वालंरु समराग साखत्रवकि डासत्रवकि कसोनवा लन

रुनाग ॥ १ ॥ अमुवल ०० धिमिदि साखत्र समरा
 ग ॥ १ ॥ गुरुगु यिरुला निमृयलाउवनि साखत्र
 मुयिरुनाग ॥ १ ॥ द्वालाउवनि धुं ० यवसखत्रः
 ॥ १ ॥

मंस ३ अमुयिरुनाग ॥ १ ॥ अलंखकन पीखं उ अरुत्रहा समराग जति ५ लेखननस्यं सा
 खत्रमसाकाठनान अमुयिरुनाग ॥ २ ॥ कलसया विविक्ताकाय ॥ विरुला जीवि यिये
 लि आउस समराग दासवनवद्विः साखत्रलवद्विन मंस ३ कलसनाग ॥ १ ॥ डि
 त्रिमंस १ मत्रव २ रुलठे ३ साखत्र ३ नमं स २ वानयाठवंटव कसानवाल वंटव कलस
 नाग ॥ १ ॥ विरुला ३ आउस १ का ० यत्र १ रुलठे १ यियेति १ साखत्र ३ कसानवालन मंस २ ॥
 कलसनमाधुध्यालं लं (गउमद्विं लं विरुनवाल धडासत्ररिं प्रद्वर्ष ॥ ३ ॥ गंदधूयाविकिः
 सागत्रवागसमसुद्धाया धनाकाय ॥ मगलधुहा कलहा रुलधन नस्यं नस्यं गधुधूयाठः

१ सीदधूया

सन्नियागननीमनमरुलं रिंघ ॥ १ ॥ डाउकयलिकहा धवन नस्यं ताठ गधुधूयाठ सन्नियागसरिं
 घा ॥ १ ॥ मत्रव यियेति साखत्र टट्टलिसवंटव कलसयां टव सिउलखवास कावर्क गिकाटवन
 नरुस्यं नासयठनस्यं नकाकलखननं वालन गधुधूनाग ॥ ३ ॥ लवनामुकरुधू
 दि ससवादायकायन ४ ॥ विसय ४ सक धाकूया ४ सर्वनाद्विसयवामे ॥ त्रियाद यातुष्ट
 सुधनं आदिन सवत्रयादूअलकायन यय विसयधया ककुद्रसनासय गत्रात्रसगः
 य वायेनूय धयाविकिसाकाय ॥ गुठटां अलंख गुठगुमाहलठि वंथाल वि स्त्रंठननस्यं वस
 न दादककुनाग ॥ १ ॥ हामले कट ॥ विमिदिनस्यं लयन कादूवायवायककुनाग ॥ १ ॥

१ दादककुनाग कादूवायवायककुनाग

सदला सवाहलकि । सिंधु कर्म । स्वय । ध्वस्वयन । सिंधु वहाक जहाव । वकसय । वालड । र्थ । माल ।
 ध्वकनन । धावर्न । ककुनना ॥ १ ॥ कल । कल । कल । कल । कल । कल । कल । कल । कल । कल ।
 याव । गवगवहायादववककुना ॥ १ ॥ धी । धी । धी । धी । धी । धी । धी । धी । धी । धी ।
 वलंगनहल । धनसमराग । लखननस्य । धनवलायाद । गवगवहायादयासकि । याव ।
 रागनास्य । वयसधस्यववककुना ॥ १ ॥ मधुनिस्वान । वरंगगकव । धनददन । ॥ २ ॥
 नस्य । धनवदन । धनवला । ककुसगलन । ककुया । रुयवधाना ॥ १ ॥ डिनिस्वानयाल । कर्त । व ।
 कवदन । कलमासि । कर्क । कनवावस्वानयस । वासिखरि । हलकि । सिवकि । सि । ग । उ । डा । वा । मनी ।

१० । कुनिवन । अश्वगंध । कूट । काख । दूहा । युनिर्मसया । १५ । ग । म । नि । दू । ल । ख । दू । ॥ स्वय । ध्वकनन । न । ल । ट ।
 धावमठस्य । वाद । ककुना ॥ १ ॥ ॥ दवदाव । र्थका । यावासत्र । हाकडात्रि । हलकि । म । म । व । स । ग । सा । ट ।
 वकन । धनवदन । न । ल । क । वयककुआ । दिर्यदवख ॥ १ ॥ ॥ रुंटा । किमी । यागी । सिमत्रस्य ।
 मनि । पूटकीनयाव । धनकाददायकीध । स्वननलमार्गस । कायउस । धुवस्य । विरुयधाय ।
 माला । वासदायक । दालाधमार्गसर्वन । मार्गसवव । अवसककुना ॥ १ ॥ ॥ व । वा । डा । स । व । क ।
 र्थ । शवकनय । १० । क । ल । व । न । न । याव । व । क । न । वा । वा । ला । व । नि । रा । व । स । वा । याव । य । य । य । य । य । क । न । दा । व ।
 ध्वकनन । धाववककुस । वा । स्व । क । कु । से । न । ल । ड । रु । म । य ॥ १ ॥ ॥ द्वा । य । क । उ । कि । रा । डा । न । स । न । ध । का । क । या । द ।

न अथ कन म्या ला सग या व वा रु ल लि चि न रा ड न स क य न न या य भ गाय चा य का य रु य र्क
 अथ नी ध व क न को या न वा स्र क क स या य ठ व ख ॥ १ ॥ रिं घा सिं ध व क र्क द व दा नू ध व
 क र्क अथ क न यु ल ख क र्क अथ व क
 नि व ३ ३ ३ ३ व क वि ३ न द य ३ ३
 उ स ३ ३ ० य ल ख रु ३ य ला रु व नि ३
 ना यु ३ व क न यु वा स्र क क ना ॥ १ ॥ सिं ध व सिं ध ला स स थ य स गंध क व क वि न द
 य ग म नि व क न ख न वा स्र क क ना ॥ १ ॥ क न वी न ये स व क वि न रु ये गंध क रु

१३

१ क स या न स क क व व वा

हं १ म स व व वा ना ॥

क डालि थिं यिलि म न व थुं ० ॥ १ ॥ ० यं ल ख रु ३ ३ मि रिं व क क रु स या न रु स थ व
 व या य न रु ॥ १ ॥ सिं ध व थुं ० ३ क डालि थिं यिलि रुं स या न व क निया वा स्र क क या रिं
 घा ॥ १ ॥ डि नि खान वा ल क र्क अ थ स थ
 रु क डालि थिं ध न व ल स रु द न नो स थ
 य क र्क न व रु स सिं क व रु स रु ल
 य स मी स २ कू ट २ म न गी ला रु नि ध व थुं ० ॥ गंध क नि म्वा व क न यु ल ख क र्क अथ क न
 ख रु न म ना स व व क क ना ॥ १ ॥ रु ल डि मि व किं सिं म ना ० ख या ल य स गंध क न वा यी

म ना स व व क क ना ॥

कृनाग ॥ ॐ यत्नं लिखत ॥ ॐ मिदि खंयाल नका नुय (गमगाननस्य वाय निनाद कृनाग
 ॥ १ ॥ विरुसय नुय यगकहा अंवलरुलुदिगदल कर्वाडरुलुवकवि वका विवूवय
 यंयु (गमयत्नं लिखत ॥ गमगाननस्य वा
 निममत्रसयायादवा मलत्रयं वाय
 समरुगडासत्रदाकाया विरुं गमगान
 यरुका कनाग ॥ १ ॥ लवनि सखात संधि सिंधु ममत्रसयादन मलत्रयं गस्य यरुका कस
 मदनयं दवख ॥ १ ॥ सध्याद वदियादाक लवनि धनंदायक यरुका कनाग ॥ १ ॥ सिद्धि

२ श्री लक्ष्मी कथा

६ निधिनाग

याविकि साक्षाया ॥ अंवल यवसखात्र सांठननस्य काठयादवस्य सिद्धिनाग ॥ १ ॥ अल
 लिखानय ॥ नय गंधक लेखननस्य लयत्रयं सिद्धिनाग ॥ १ ॥ रुमिधममस ३ रिंठ सखात क
 र्वाडरुलुलुलुय २ धनं मलत्रयं म
 नाय सिद्धिनाग ॥ १ ॥ मधुनखानय क
 लेखननस्य धनं कठ धार्थना लयत्रयं
 रुमनाडा मस ३ काकयात्रा ३ मत्रव ३ डरुलुलु ३ गंधक ३ खयगी ३ गमगान ३ रुटिविया ४
 याकयारिध ॥ १ ॥ रुलुलिमस ३ उरुगु ३ अंवल ३ अगु ३ विरुसय मत्रव ३ गालमू ३ उरुलु ३
 याकयानाग

थालाउवति उज्जुस उधनमलत्रयं वस्यं का सयाठववना ॥ ४ ॥ मायानां यलहयानां
 विकिसाकाय ॥ न कात्याय ॥ ५ ॥ मिदि स्थका समहाग गुरुयाठधनवावस्यं यलठना ॥ ६ ॥
 कवीनसक कायकं सस्यं लेखनस्य लयाठना कास्यं (ममूगवामलत्रयं वस्यं यल
 ठना ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ मिविकीं सिं धनज केददननस्यं याय यलठना ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ययं ख
 डरुल रुल कठनक वन्दन डरुल सा धविगाननस्यं याय यलठसनां मिलिसनी ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥
 घा ॥ १३ ॥ यिवसवलासाधनदावा ममत्रसयावा ॥ १४ ॥ नयावमसदायक धडा सत्रलमागु
 सयाठनाठवखा ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ मल गुंडा रिमनाडा धर्मेनामागु सयाठना नावना ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ नदोगिनि

(नाकाकुना)

(नाका)

नायु २ मास नसगाया यति अखी मंस ३ वकन यु २ खडन धवकन नगाना वमागु सगलन ना
 ना ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ वक विप्रं रुल वकलि धन लेखन नस्यं मागु सखगान यला (धं) यलन मागु दुस्य
 नाकाकुना ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ रिमनाडा गीया रुल उमंस २ डल लहा २ दद का ल सहा २ यमियमि
 अखि २ ग वकन यु २ लेखक गाना वयावकन खं न डरुल सख ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ निगखा वदद
 मंस गसकं गरिमनाडा गय सग ग्याला वग गुंडा गका खदरुल गयल कायकन कगा ख
 ठन धवकन नग वमागन मागु सग रुस रुस ववया रिग ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ यल लेख रुस धर्मे ठन
 नस्यं लेय सयाठ यलठना ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ कन वीन सिं कवन यलठ समद वयं वस्यं यलन ना ॥ १२ ॥

(वलंगना)

दा कृजा विवा पुयला उ या का उ रु लवान याव यिन का यिन का द्र स द्रु ठा या य य ल ट ना ॥ १ ॥
 मा उ स य ल वा ला क जा विवान स या द य ल ट ना ॥ २ ॥ ॥ य व मा धि त्य न व द मा सा ली नि
 व द्रु य नि ४ था वा क च्च नि वि श्रु टा त्सा वान द्र व य व ४ स वा न ॥ वा त् यि रु ॥ १ ॥ य स
 व स ली स ला स का स स आ स व न य ॥ दू य य या द व च्च व र्क वि श्रु ट या न क च्च द न
 म न व न या स या य य स द्रु ठि ना ॥ ॥ य व क ल न नू य क ल न ना ली स ॥ १ ॥ मि दि ॥ १ ॥
 न स य ल य न य स द्रु ठि ना ॥ ॥ ॥ रु ल ० न या उ दा क र्क न स य या य य स द्रु ठि ना ॥ ॥ ॥
 अ व ल स य व ल स ख स गु ठि म न ॥ १ ॥ न डो स लि वा स म रा ग ली ख न न स य दा य र्क या य रु

२ य स रु नी ना ॥

१ रु दि स द व व स रु द

न स या क रु म वा य व र्क य ल रु ठी स उ द व व र्क रि म् ॥ १ ॥ लं या द वा ज व स रु ल व र्क
 जा वा न स रु ठि न ना द्री य र्क ॥ १ ॥ रु द वा स रु म क वि ली स रु स च्च ला व या य रु ठि
 म दि य र्क म व र्क स व र्क ॥ १ ॥ वी सि रु ठि लं र व न च्च ला व या य रु ठि द्रा य र्क ॥ १ ॥ ॥
 थं ऊ ठा रु ग ल म ली दाम ल लं र व न न स य या द न य स रु ठि ना ॥ १ ॥ ॥ य व वा म न
 सि क व स व गु ठा मा रु ल ति च र्क क न दाल र व न न स य या य र्वा दू ल र व न न स य या य
 रु ठि आ दि यी या य स ला ॥ १ ॥ वि रु क न द म ना य उ दा मा रु ल ति चि का ठ लं र व न न स य या य
 य स रु ठि न ना द्री य र्क ॥ १ ॥ म ना र वा ठा द्रा क न दाल र व न न स य या य रु ठि न ना द्री य र्क ॥ १ ॥

(नवककुनाल मसूनीवाक्याना ॥६॥

जा. म्माठ. निमखि. धननायानसनयाय. रुति. क्काटा. (थंथणीयके ॥७॥) ॥ कृष्ण
 ग्रहकलाद्यापि हे गदाय समुद्रना ॥ जनयाके गवीवसिन्धु. धनके नमगता ॥ मसूनीवाक्या
 निरसमाना ॥ पितिका ॥ स्यामसूविका ॥ ४ ॥ कृष्णग्रहसावदावक. लयादे. वलानउद्धनय
 दनयागवीवसजायवयव. दुष्टवः
 विकाशय. ॥ धयाविकित्साकास्य
 सिंय. बुद्धके. धननायंघउवस्य. का. रवाथके. मसू. विका. कृष्ण. नद्राथमरु. थके. यावदा.
 अथवागवक. नव. द्रथमरु. ॥ ७ ॥ जनयामनसिकव. अठमानिका. ॥ यं. लखनन. स्याल

नवककुनाल

यन. नवककुनाल ॥ लवठ. लयके. लन. शु. क. माल. श्रीखठ. मिदिस. ॥ ६ ॥ मिदि. क. स्मीन. वाल
 न. नवककुनाल ॥ यि. ०. ॥ न. द. द. व. द. न. निमर्ग. ल्याठ. सु. दान. य. वा. क. स. ला. नी. स. न. स्या. का.
 स्मीन. वाल. नी. न. क. न. व. क. कु. ना. ल. ॥ ७ ॥
 लय. व. व. स. द. का. उ. लय. अ. दि. क. लय. म.
 क. क. या. ॥ ॥ ॥ कृष्ण. ग. या. ना. ना. य.
 वा. या. चि. कि. सा. श. का. का. स्या. दि. ॥ रु. ल. उ. रु. म. ल. स्या. ध. मि. व. किं. सि. नि. म्. ॥ ६ ॥ मिदि. पु. नि. मी. स.
 १. स. य. १. ल. र. व. क. उ. १. ध. व. र. व. द. न. क. क. या. ना. ॥ घा. ठ. ल. या. ना. लि. ग. ॥ ७ ॥ सि. ध. व. पु. पु. वि. व.

ककुली. यागल. यी. लि.

(चासकाकेआदिनीनानाकक)

सांजन, सध, निलाधुनि, समरागवकनवन, चासुककुआदिर्ननानाकक भाग ॥ ७ ॥ अठ
सरवयल, सध, स्याउयानिरुल, निव्याकव, गुगु, विधेवद, नस्य, विस्फाठा, आदिय, ककु
ककु, धनकाव, आदिय, नानाककु
गिबि, उरुला, कबज, आउस, धने
॥ ० ॥ मूरवयागसमवाया, दक
उसयाउस्य, वानकाद, दकगुलनाग, ॥ ७ ॥ गिरवावदुदनगु, क, वासम, लानदकगु
लनागनिधानमठव, ॥ ७ ॥ हाकजिबिकायउसयाउस्य, स्वस, कायउसध, उवस्यका

भाग ॥ ७ ॥ गुउगुधलाउयानिरुल, निव, क ०
रुदनस्य, अष्टादशकधूनववककुनाग, ॥
गुलया, विकिसाद्राथ, ॥ गुउगुधिव, काय

(अष्टादशकधूनववककुनाग)

२ दं कठक्या

वर्ककाल, धंवानकाद, दकगुलनाग, ॥ ७ ॥ अंवलसियागंठिनस्य, वासम, लन, दकगुलन
ग, ॥ ७ ॥ उंकीठ, सवकीठ, स्यादा, ॥ धमकुण, धाव, लस्य, उयवय, धस्यनवा, सध, लन, दकगु
लनाग, ॥ ७ ॥ ॥ मूरवयागयावा
या, ॥ मूरवयागयाविकिसाद्राथ, ॥
भादन, नानहीदावनाग, ॥ ७ ॥ अंनि
वाल, गीरव, उ, गलहा, रवाकन, कोलसमानि, वनयादनस्य, हीकाकनाग, ॥ ७ ॥ अंवल, नू
यकंणल, कउवसकव, रुटसिहलनस्य, धवस, कालाव, मवस्य, ससववककुनाग, ॥ ७ ॥

नयिरु, (धुआदिदायादिवलदाननिदानमवा
वंगलावनमतादीवदुदवीगादकमीकाद
यसकमीनवालनक, नानहीदावनाग, ॥ ७

हसिदुहस कयवणकासं मसवस्यमककुनाल ॥ १ ॥ हसदुसखलवानरुं नकायाव मवद
 यानथं वमउववायनाल ॥ १ ॥ दलउ मिटाकं सिमनाठि खूयालयस गंधक कनवीव
 हा यतिमंस उवकनय ॥ गममादिपु
 ग ॥ १ ॥ गीरवउलवद कूठ डिबि
 हानववयाजान आदिनमसाकया
 वद ॥ थियलि ५ वंसलावन ८ उदल १ उचनयादकफीनवालनसुं नानदीकावनाल ॥ १ ॥
 समीवण ८ ॥ गगगगानाधावनसामकन ८ धूलमतीवक फ्या ८ कयागिबाथि थयसमाव

ग ८ सकल धूल ८ यविकावितागद ८ ॥ १ ॥ गगगगयाय अलनवननदाव दसमगुति सवक
 किन वागनमचासुं गगवायवयवस ८ धूलवदयाग दनगुतिसवदनागवउवदानध
 यानामकल बायराववयदुन
 सथं ककल धूलनाल ॥ १ ॥ गुतिपा
 लनाल ॥ १ ॥ ससखाया हाकजीबिस
 वव देवकाव सगयस्य दिगुसं ध समराग हसवलसयावाननसुं सखदन दससथं
 न कसकी आलनाल ॥ १ ॥ अकिवदानयाव कफीनवालथं दनकल धूलनाल ॥ १ ॥ द

१ क्तससकेलदाढय, कालपिङ्गवलयक

[illegible]

१॥ सहाचंहायमिठया

कथा कथामिदं दवय ॥ ७ ॥ दवकाव लगयस्य स्थिध स्वठननस्थिधकनरुदन कसन
 मगावयागायक ॥ ७ ॥ कटयावासल वेकसिकेव ठकबायला स्थिध समलग लरुननस्थि
 कायकंयाय कसपाकलिवनठदवव या धरिग्व ॥ ७ ॥ धवाययानामवला सवायम
 य ॥ ७ ॥ मागलस मलियेनिस कर्वः सदव मलियेनीसकासन लंगरुगिमानथाया
 धयाकल लेखनठकंनस्थि काय उमथाठवस्थि यंकटाकाससथंठ दसकाओ
 वना ॥ ७ ॥ सठसमखठिकेव ३ मुठिफामवय ३ कठिमिदि ३ वकनया धरुस्थि वदन ध
 सधनकसकाओ वना ॥ ७ ॥ ॥ आनकनयस्याविष्णुयनव धुकिद्यनधुया यमाना

सानवलि यागन्धप्रसाधुअनु इयं वावस्थुमुसवीनसन ॥ पुनयाक्रासवाल ॥ क्रास
 वालगिन्क्रासन्नाय क्रासयननयक्रासयवय घनयनेक्रासननाममय क्रासयक्रास
 उमिंघजीनसआदिन नासात्राय ॥ १ ॥ धयाचिकिसाक्राय ॥ कंठाविमिहा ल
 खननस्य मीठासयादक्रासकीअत्र ॥ २ ॥ अवनयलखननस्यउव वालावैठ
 वक्राससंथदक्रासनकीकावलान ॥ ३ ॥ डहोल ॥ मिदि केसीआठवाल ॥ ४ ॥
 साखवनवालन क्रासनकीकावअत्रय ॥ ५ ॥ दहसहा लखननस्य मीठासयादक्रासनकी
 कावअत्रय ॥ ६ ॥ केसीआठवाल डलठ छुठठाहा साखवखादलखननस्य नादक्रासन

८२

दीपवलात्रय ॥ १ ॥ गालिस वंसलावन धीखंउ मिदिस डहोल आठस साखन ॥ २ ॥ डा
 सनववाकु नस्य मसशआत्रन क्रासकावअत्रय ॥ ३ ॥ यंउयंमसश मिदिकीसंशमा लठि २
 मलवठ २स्यधशअविस्वानवालश्व ॥ ४ ॥ डहोल ॥ मिदि केसीआठवाल साखनसंजालन क्रासका
 ससववककुनाण ॥ ५ ॥ गालीस वंसलावन धी ॥ ६ ॥ गुरुडनर्मसा कनवविस्वानडल ॥ ७ ॥ यि
 सनववि वालनमसशआत्र क्रासकावनास ॥ ८ ॥ लिल ॥ मजवास्यध ॥ यवउवि ॥ यनकाहा ॥ यविस्वान ॥ सुवाकुलाडलठ ॥ यालावधनअया

द्वि। खं दर्थं ठन क्राससकधनना ॥ १ ॥ ययं गुमंस ४ स्वहान ४ मूस ४ नसांजन ४ वाहन
 ५ जिनि ४ यीयालि ४ वंउसय ४ गुं १० ४ साखन ८ कसीनवावन क्राससकधनथाकना
 ना ॥ १ ॥ जिनिस्वानवाल वंमकहाम
 थाल ५ उम स्यध वलसेददसक्र
 घा ॥ १ ॥ दुनगीमंस २ मोदसे २ यर्ग
 २ ॥ मोदि २ धनयकनखं दर्थं न वृनयादक सीन वालन यिक्रगनायना ॥ १ ॥
 वागालिकाकहादका दारुस्यन्धुविध ४ वायनजायनयात्र ४ सर्वनयाम ४ कन ४ ॥

यिक्रसवायना

मिखाध्याकनागदुगि वृदनीना

वामन यिक्रन (ध्याम) लीन ध्यामाविधिवाकलायादध्वय मिखात्राय जायनयर्ग ॥ ध्या
 यिक्रलोकास्ये ॥ अयामार्गहा सजलखना सखंठनविधो वालन कयाससवाल मिखा
 सर्थद मिखाध्याकना ॥ १ ॥ यिउठ
 थैद मीखाध्याकना ॥ खटिलवर्ग
 मीध्याकना ॥ १ ॥ यिकदू रुलठ
 लन मीध्याकना खटिनीना ॥ १ ॥ साखन स्यध जीनिस्वानवाल गुंमल खंठननस्यमि
 खासर्थद मीध्याकना खटिनी लानख ॥ १ ॥ मोदसे वाकासाखन नसांजन वकनदनडण

मिखा स्या क ना

ललाहललु यागधन नारिणख नकनायका । ॐ ह्रीं मिदिमनं ॐ श्रीनिश्चान सपुत्रामया
 दलवननस्य वरिनिद्वयक धवलिनीनवाल नीलयट सद्वा दसेनायल कंदीव (थंख)
 ललागागिमित्रस धनसर्वरिण ॥ ॥ ॐ ह्रीं मिदिमनं ॐ श्रीनिश्चान सपुत्रामया
 वरिनिद्वयक वालन अनीदूवठा
 समदहन गवावन कसोननस्य
 मदाकगदा यागीवि लखननस्य थंठन मिहीवालानख ॥ ॥ ॐ ह्रीं मिदिमनं ॐ श्रीनिश्चान सपुत्रामया
 न मीहिंवालानख ॥ ॥ समखरि कमवाड खखदुदु सयाद मीहिंवालानख ॥ ॥ कदु

८४

मील्य क ना ॥ १॥ मीन उ दय क

त्रिधा धनवाकदु सयादन मीहिंवालानख ॥ ॥ ॐ श्रीनिश्चान हामलवा गालमूल काठन
 कसनवाल समखरीनसननस्य वरिनिद्वयक धनवलन मील्यवा समखरि ललरि
 घ ॥ ॥ सउ समखरि लवद सकर्म
 मरागकव ॥ धन खय २ कलि साया
 गीनडावनक शय ॥ ॥ ॥ वगलावन
 थंठन्यानवद्यठनय अउलयादवालन मीनडावनक शय ॥ ॥ ॐ श्रीनिश्चान हामलवा
 मधैलवदाल ० मनवाग १ ३ विथलि ग ३ ३ धन लखननस्य वरिनिद्वयक मीसवा

१ मीसायाका खूडी नाश

ल अमीन कडवं नरु वंख धवलिनिगंनटाव कसीन ॥ १ ॥ ठाहल उमध न्वं कवनी कायागा
उन यियिलि (मठ) ३ मववा (मठ) धनरिमत्राडगीननस्य ल उविनकीन रुमत्राडगीनन
स्य नदिन ननिरात्रसन (धनीवलि)
नडवं नरु वंख ॥ १ ॥ नन्दलुटासयाम
ठन खूडिनाल ॥ १ ॥ हल उ मिवाकि
ममनि सखि खूट धनसखि स्यन धनसन मिखासधंठ मखासा कलानख ॥ १ ॥ माठधन
स्यधंठ धुकमाल कूटवीड कूटवाय यियिलि अरुनि रुनगी वरुस गालीस कनडद

२ मीसायाका

दाव समराग चलससददननस्य वलिनिदयकी वालन मिखाया कखावीहाल किगु ॥ १ ॥
हल उ व कूट यियिलि मवव वरुल उमध नारिणख मधलील समराग चलसददननवाल
नस्य वलिनिदयकी वालन मिखा
नयन ०८ वंनस्य निडलरुं ठासन
लहल उ सातिकाक ठनसयलनव
वीहाल धनसखि ॥ १ ॥ मिखायाद सनिवागयाडासन यीगुनीस कखु वरुदयास्य मि
खासडालक किगु ॥ १ ॥ हल उमध (मठ) १० वरुल उमध १२ वरुनिमध १४ मवव २० कसीन

१ मीरवा नऊना कया

द. वरुनिदयकं. वालन. दाद. याउनटी मिखा नखं घख ॥ ७ ॥ रियं वालि घुठ ३ मय व घुठ
उहलु मया गम ॥ १२ ॥ गल वागान ननस्य वरुनिदयक वालन मिखा नऊ कय ख ॥ ७ ॥
मृहालिनिहा जीवि चल सददनन
दनेख ॥ ७ ॥ वन्य मधुल स टिठुटि
खलाटी मायमालख ॥ ७ ॥ वक व
मिखा नऊ कना ॥ ७ ॥ धन लुटां टकल मया वाल घुठुटी हंवा समरुग धन व वालन
लेखन नस्य मिखा रियं वनया य मिखा नऊ कना ॥ ७ ॥ गुल्लादे स्य धन समरुग धन व टः

८३

१ मीरवा नऊना कया

ननस्य कायउ सयाउ यस्य मिखा नऊ कया द मिखा लीरि घ ॥ ७ ॥ पिठला समरुग याद
लेखन नस्य कायउ सयउ सैयस्य मिखा सननेय मिखा नऊ कना ॥ ७ ॥ गवात्राग सुजा
यन वागियल कडे मिरु ४ सानिया
जायन यन वागन यिरुन (पुष्पादा)
किस्मा द्वाय ॥ नूयकं गत्र लेखन न
यिलि लोद मनेव सुटन नस्य द्रास सथं द वागउ माउ नऊ कना ॥ ७ ॥ आउ स दिगद
न गुठु गु धनेन स्य दायक वक वागन नाल रिय ॥ ७ ॥ रियं टि दाल लेखन नस्य द्रास सथं

१ माउ नऊना कया

द. वागनमाउल्याकना ॥ १ ॥ का० यत्रं मरु खाद लेखननस्य लयनयाद हानन्यालकि
 घ॥ १ ॥ यमनियु. द्यायमन लयनमाउल्याकना ॥ १ ॥ आउगी के लु सगी खाद कालस
 मल द्यालननस्य लयनयाद कान
 सथं दमाउल्यालं किंघ ॥ १ ॥ जयना
 द्राससथं न खवलादोप्याकसा ख
 ष्टिमिदिनस्य याद माउल्याकना ॥ १ ॥ डहालकं नत्र अंवल यमक ष्टिमिदिन
 यनयाद वागाधिकनमाउल्यालं किंघ ॥ १ ॥ दलकं कम द्राससथं दमाउल्यालं किंघ ॥ १ ॥

माउल्यालं किंघ ॥ १ ॥ साल यमक द्रास
 दिनहा द्राससथं द उवलादोप्याकसा उव
 वद्राससथं न वागमाउल्याकना ॥ १ ॥ ८१

रुमनाउगी द्राससथं दमाउल्यालं किंघ ॥ १ ॥ कट अलं उहाया खटननस्य माउसयाद
 माउल्याकना नख ॥ १ ॥ धीखलु खहान मरु याकन गुठगु लेखननस्य कमी द्वा दनाद
 यिरुनमाउल्यालं यिकलं लं गमाउ
 दिगंरुल यिरं गु लुं ० माउल्यालं
 उल्याकना नशवा ॥ १ ॥ अरुय
 वरुं दं विलं उमामुद्धामद सुधा ॥ १ ॥ अनया अरुय न वक्रा निसा न वायद न दवा व द्रं न
 यं न्याय थनायमव द्वा न दवा व द्रं वलं शय लं गमाउमदिनय यिक द्वा यिनी थं दनय

मचिलं किंघ साख न दारु या ना ववा ॥ १ ॥
 याय किंघ ॥ १ ॥ ष्टिमिदि द्राससथं य मा
 नारु व लसव ४ साडु मंग ४ सवदन ४ नस्या नि

यथाधिकित्साकाय ॥ ७ ॥ सवायुन जीवि हंष्टिमिदि डहल यविनी सदास्य कसाकाट
 नानक वान असु ग्यननाग ॥ ७ ॥ ओठसगी गुठगुगी अरुत्रगी कसीकाट नानक यिरासु
 ग्यननाग ॥ ७ ॥ हंष्टिमिदि गिरुला
 रिठ (थ) सदास्य नाट (ध) मासु ग्य
 द्वा याव कसीकाट वा साख नका
 या की वखे सुत्रि स हंष्टिमिदि । क्रीत्र विदात्री साख नक सीन वालन क मृणागि सात्रना
 ग ॥ ७ ॥ द्रु सुमहा धालन नस्य नानक नकागि सात्रनाग ॥ ७ ॥ जीवाठ मिदून याठ यवा

गुल्लद मसु सीनाष्टिका सुठुयु कसीकाट
 ननाग ॥ ७ ॥ यक वत्रय म्वाव जीवलनीन
 दाव नानक सामवागनाग ॥ ७ ॥ गालमि

८८

२ न कागि सालनग

२ न कागि सालचा

क नाननस्य नाट नकागि सात्रनाग ॥ ७ ॥ अरुत्रहा नीवा मसददवा नाट नकागी सात्रना
 ग ॥ ७ ॥ अठनं वहा मसददवा नाट नकागि सात्रनाग ॥ ७ ॥ (ध) म अय नादि महा लेखन
 नस्य नाटन राय नक अगि सात्रना
 ननस्य नानक नका अगि सात्रनाग ॥
 की नका अगि सात्रनाग ॥ ७ ॥ गीघ
 मनेव (ग) उ २ क नी व लेखन दध क दू यवा क दास्य ध लेखन नस्य नाटन मस ३ वा न न
 क अगि सात्रनाग ॥ ७ ॥ चर्वक नहा क नी वहा मनेव (ग) उ २ क नी व लेखन नस्य यवा क

ग ॥ ७ ॥ यठ का चर्वक नहा यवा क सलागी
 ७ ॥ वालाठ मस ३ हा मल उ लेखन नस्य नान
 क नी ० खानहा गीघठ द खानहा टग यायहा

१ जीति १० साइ २० १ धन १० १ सायल २० १ याना १० १ लवठि १० १ वाग १० १ वक १० १ विल १० १ जीति १० १ कजीति १० १ वाल १० १ दिवी १० १ स्व १० १ मि १० १

सलागी सहासी गाठन नक अगि सावना ॥ १ ॥ वयालिक सानहामं स ५ म नव (गा ७
२० धडा सन यवाक सलागी सहासी गाठन नक अगि सावना ॥ १ ॥ ववक नहा नसा
अन यवाक सलागी सहासी कसी
असाय सानसिक व यवाक सला
नसा अन लाहा चाल सदद सहासी
ला लाहा चाल सदद सहासी गाठन नक अगि सावना ॥ १ ॥ ववक नहा
हा यवाक सलागी सनसी कसी काठ गाठन नक अगि सावना ॥ १ ॥ ववक नहा का समय कि
कायद लवी मलव आलम वंश लावन मं ३ ध जील याक ॥

वका अगि सावना स

खाय यवाक सलागी ननसी गाठन नक अगि सावना ॥ १ ॥ वादयाल हामं स ३ वर
अन नगि ३ यवाक सलागी सनसी कसी काठ गाठन नक अगि सावना ॥ १ ॥ ववक नहा
३ ववक नहा मना १० १ चला १० १ निवा
न नक अगि सावना ॥ १ ॥ खयल
क सलागी सनसी सुं ३ सुं ३ गाठन नक
ववक नहा वंदन यवक नहा मं स ३ म नव (गा ७ ३ लेखन नसी कसी काठ क सदद सुं ३ सुं
३ गाठन नक अगि सावना ॥ १ ॥ क समय कि क व १० १ वं नसी साय व मं स ३ लेखन

नस्यमानकं नक अतिमानना ॥ ७ ॥ सुवाचल जात्रिठवा ॐ ह्युमिदि डहाल यत्रि
 तीसहासी कसा द्वाह नानकं नक अतिमानना ॥ ७ ॥ गुठगुमस ॥ यत्र सखात्र ॥ सा
 खत्र २ गुठगुमी अष्टा ॥ सहास्यमान
 हलठ सुहान नूयकं नत्र नूनया
 नूयकं नत्र ययं गु ॥ डित्रिहाल लव
 नकं नक अतिमानना ॥ ७ ॥ युक्ति ॥ अतिमानसंयुक्तं लिंगं वा द्वाहति सनिर्ह ॥ डल्यय ॥ य
 दाया नो नामा कन्द मुयानिडा ॥ दायलन ॥ यानि सद्या नदस्य द्वावाहाया ॥ द्वाहवय लिंग

थानिसव्या नदवया

१ आनिर्कधनाम

कात्ररुंठालस्य वय धनाय यानाम थानिर्कदधय धया विक्लिमा द्वाय ॥ वाठधन नस
 डन सुहाग करुवसकं व अत्रय नूनयाठ मिचकिं सि सहितन कसा नदस्य थानि स
 दं थं द थानिर्कदना ॥ ७ ॥ ॐ
 ॥ गवुं यतति नकस्य सधूलि दर्शन
 लु अनीका वानल नाल गुचिनीया
 द्वा कखनय मूरुगव अथ धया विक्लिमा द्वाय ॥ कुडेन याग नीव सदवयाडा सत्र ग
 द्वावली सासु सद्वाया ॥ ॐ ह्युमिदि ॥ यियं पु ॥ दद वी लसहा ॥ धनवाला नक लोचि ॥

त्रि डनया सविल दवया डासल

यटकासिकव १ हामल १ मना ० १ अरिबहा १ धनवाला लनक नलाया ॥ २ ॥ डका १ य
 टका १ ददकाल सहा धनवाला लनक सीलाया ॥ ३ ॥ ददकाल सहा अघसानहा का ०
 यन ० ० ० मिदि धनवाला लनक ॥ यिलाया ॥ ४ ॥ लिक ० गिनि वाला यनहा
 यनकासिकव धनवाला लनक ॥ लाया ॥ ५ ॥ वकवकि वदियाले सुकाउन
 सिकव (गखान ददयुक्ति) सदा सीमानक यलाया ॥ ६ ॥ सिधाटक अ
 थस मिदिस दद सदा सीमानक दसलाया ॥ ७ ॥ धनवाला वाल लिक ० गिनि
 ला उवाग अर्क ० गिनि समराण मस २ धन ददयलक्ति १ दासीनोनक यालाया ॥ ८ ॥

० ० ० मिदि ददकाल सहा दद सदा सीमानक गुलाया ॥ ९ ॥ धु ० ० दद सदा सीमानक डि
 लाया ॥ १० ॥ धडा यविषवात्रल मामया धानवधामद यकमावायु योदनय मूनि
 नख ॥ ० ॥ मामउलं यीटययादमा वाद्यात्रयात्रलाल धडा मत्र ॥ धु ० ० ० मिदि
 दददावहा मामदददा सीमानक मावालरुनययक विधि ॥ ११ ॥ अर्गमदो
 कन ४ कय ४ यियाला पुन गायता ॥ ध ४ धूलानिसात्रव सूनि कात्री गल दल ॥
 यी च्यायाया धं स्याय कोनकय कीनाय वासवाय कं जागय मं पुत्रय यीटयाय अ
 मिसात्रकय ॥ धनसूनि कात्रायया लदल ॥ धयाविकिसाकाय ॥ धु ० ० कय अ यी यिलि ४

मन्त्रवर्, धियलामूल, जिनि, स्वदान, हावकीत्रायिमनि, सगयस्य, गालिस, सीध,
 यवसखात्र, धुकम्यालमस, उर्वदवव, उयानक, उ अकली, स्वदनक, सुनिकात्रायना,
 ग ॥ ७ ॥ दवदानकव, अगुनिधि, यलामूल, वदकधूलि, कउवसकव, यवा,
 कसलानीसहासीनाद, सुनिकात्रा, यनाग, ॥ ७ ॥ अक ० गिनि, लिंक ० गिनि, सा,
 लयधि, (गखवददुवलीधदाना, यमलानकमलालखदयक, सवकदासी,
 मन्त्रदावधलीखनोनक, सुनिकात्रायनाग, ॥ ७ ॥ धियलि, दवदान, गधुमस, अगुनि,
 धियलामूल, चूनयाद, धीनिगीसहासीनादन, सुनिकात्रायनाग, ॥ ७ ॥ काकोलस, कली

१२

मन्त्रवर्, धियलामूल, जिनि, स्वदान, हावकीत्रायिमनि, सगयस्य, गालिस, सीध,

न धनक, याद, लखरुचि, न, कउदि, दयक, धलीखस, धन, वदन, धियलामूल, दडासवक,
 य, धानमलनय, धधवस, पिदावसुनिकानाग, सशर्मा, ॥ ७ ॥ सेदीनाव, याद, धीव,
 दाव, याव, सुनो, सुया, ४, दूध्यामा,
 सदानसर्मा, दावटा, ददय, सवायत्र,
 ल्यानायान, धयाविके, लाकाय, ॥
 निदियनिर्मस, उलीखक, उ, साददक, उ, स्वय, ३, धनवद, दूध्याटलनाग, ॥ ७ ॥ कक, नि,
 रुलति, वासीटननस, याद, ददयाटलनाग, ॥ ७ ॥ नकाय, स्वानरुल, खायउवसयाहा,

१३
 २३
 ३३
 ४३
 ५३
 ६३
 ७३
 ८३
 ९३
 १०३
 ११३
 १२३
 १३३
 १४३
 १५३
 १६३
 १७३
 १८३
 १९३
 २०३
 २१३
 २२३
 २३३
 २४३
 २५३
 २६३
 २७३
 २८३
 २९३
 ३०३
 ३१३
 ३२३
 ३३३
 ३४३
 ३५३
 ३६३
 ३७३
 ३८३
 ३९३
 ४०३
 ४१३
 ४२३
 ४३३
 ४४३
 ४५३
 ४६३
 ४७३
 ४८३
 ४९३
 ५०३
 ५१३
 ५२३
 ५३३
 ५४३
 ५५३
 ५६३
 ५७३
 ५८३
 ५९३
 ६०३
 ६१३
 ६२३
 ६३३
 ६४३
 ६५३
 ६६३
 ६७३
 ६८३
 ६९३
 ७०३
 ७१३
 ७२३
 ७३३
 ७४३
 ७५३
 ७६३
 ७७३
 ७८३
 ७९३
 ८०३
 ८१३
 ८२३
 ८३३
 ८४३
 ८५३
 ८६३
 ८७३
 ८८३
 ८९३
 ९०३
 ९१३
 ९२३
 ९३३
 ९४३
 ९५३
 ९६३
 ९७३
 ९८३
 ९९३
 १००३

साचमदवया दयक

१ स

साचा वृत्तवृत्तवया साच दयकया १ सिकमचावायकया

१
 २
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

भाहे कामदवचाहि कादयकाया

यत्रयलख ॥ ७ ॥ आउसटा लखननस्य लख सलयनय ननाजायनयलख ॥ ७ ॥ वि
 खलि लखननस्य कसीनवालनानक ननाजायनयलख ॥ ७ ॥ श्वनवदियालहा कमा
 प्रीकानयस्य माउसकचकईसयस्य ननाजायनयलख ॥ ७ ॥ काकर्मगलहा
 स्ववकंठाउयस्य मूलखायाकोसका याव तिकुमि आखनगठन खंडकानव
 स्यनरुवलिनयस्यन ननाजायनय यकविधि ॥ ७ ॥ रुकामउवशवसा खरु २५
 गच्छायाव (गयखयल सखालनार्य घालसथदनक धननस्यहीथयगुनाग स्रस्रन
 ख ॥ ७ ॥  ॥ गिधुनायया यामायरु (क्षया समियागन आदीनवालकयाप्रयद

अभिननिचाक्या

एववधियासल वालकया

कदान निदानमुत्राया ॥ बालवागयाविकित्मा कास्यरु कर्कटासि अगिथस मूसुयिय
 लिसमेरागवृक्ष याद कसीनवालरुयक सर्ववोगनाग वक्षा धडागवववयीधाय ॥ ७ ॥
 लखुवियाहलखासयवकं अजरि गिवावलि कमखानख ॥ ७ ॥ अं विलिसयाहा
 वकुतिकायावखासयवकं अजरि गिवाव वालकनखानख ॥ ७ ॥ विरुसयू पि
 रुला यियालि समराग वून कसी नवालनक वालमावार्ता सविमीनाग ॥ ७ ॥
 मनसिलिधुं ० धनकं भदवालकया घरयादानाग ॥ ७ ॥ अं विलिहाखासयस्य वाल
 कया खासुवावनाग ॥ ७ ॥ मनसील धुं ० धनवलसदद धनमोदन वालकया घरयाउ
 वरुसधूमं ० मून तवसनकन थसिखरिमी धवनीननयावनाहिसयायवालकयाकिमितास ॥
 वालकमावागोसविमीनाग

मावावचकास कामउवडासीमावच

नाम ॥  ॥ मावावावडासीवकथाधनय कामउवडासी जवलयुयामाधम
 सउखादलखननस्यनानक केसावरायकाठनानक हि कोमठल मावत्रयय
 कडलिमेख ॥ १० ॥ कसावल स दूदियिलि नउय समराष वृधमस
 २ वालनक चेवाववा यावमाम यीठल्लालि रंग ॥ ११ ॥ मेहाकरीहो जल
 उहा ॥ कोयहा जलउहा ॥ गः खावहा समराग दूनमस २ खनसाखेवन
 वालनस्य मामयिठल्लालि रंग ॥ १२ ॥ लिंकथलि सिंघाटक डिगुरि का ० यन डड
 ल जलउहा अरिवहा समराग दूनमस २ साखेन साददनवाल नानकवकति

ययक

रस

वायावमामननीमार्दस्यवानडासीधडासुननानकलानख ॥  ॥ स्वावत्रडीग
 मवेवद्विधिविधमचन नमूलायासकेमायस्या लत्रसयादिसैरुव ॥ स्वावत्रडीगम
 विषदागनगाविधि स्वावत्रविषमू लाकिडे डीगमविष सयासैरुवजादिनन
 गाविधिशर्वा धयाविकित्याक्याय ॥ यन निवियुयामा लेखननस्यनानक
 यसनल रंग ॥ १३ ॥ मलिस्वाननक द्वाहासाददन नस्ययाय द्वासिनेकाकया
 जगारिं घख ॥ १४ ॥ वरकनहा लेखननस्यनानक यसनल धयावनल ग्यालावानल
 रंग ॥ १५ ॥ डनुनदंगत्रययाविकित्याक्याय ॥ ख्याल मना ० विषखयल घा ० यल

यसनल या १ क्कासिनकाकया २ धुग्गवनवया यसनल ग्यावावानल रंग ॥

जयंउयंज x १ वाद्यालजा नमिद्यालयसनामनयवकिम्ब

खडा मन्त्रवृत्तलि लिखननम्ययाय खिवानडाक रुटिनडाक च नडाक आदिनडाक
 नडाक सना वाद्याने लमियान यमलागनयल्ले र्गुडा ॥ ० ॥ निनिदो माधव
 निदानयत्रिकभ नयालरुखाविकि ल्माधिकान ४ समाय ॥ ॐ ॥
 खनडासन धन साखन ॐ कमी वकन आदिय खनविधि विकित्माकास्य
 ॥ वनकडायुज्याल ॐ दजवज मुठमुजधनिस्वानज पुन्यादज यंमुजमि
 यिज यियलामूलज ॐ १० ज कटवीज ज वालज धर्गेकाधदायल्लेखरु उयाल गोयुज
 धनिमिदुज ० खरुयुज मुठुठाल्ले मन्त्रवृत्त्या १५ यियलि १५ दल्लु १५ जंवल्ल १५

आधिकार ४ समाप्त ॥ ❀ ❀ ❀

यवन आदियं खनविधि विविक्तोद्भास्य

सुठमुजधजिस्वानज पुल्यादज यंथुजसि

कन्या न कदाह भविषि

वल्लभ ॥ यमनियु ॥ जिनि ॥ हाक जिनि ॥ अवतदाव धनडा वधी वून ननहा सीहिया व ॥
 गाठ विन कल्याण कथन विधि ॥ १ ॥ वलाहा रुलेठहा वून निनि हा मल वका म
 नी ॥ खीट नन सीका क सह धील य
 क मेह निनि धी खीट सनय स्य ख
 ॥ धान सख रंदि ॥ लाहा गीरं ॥ धाल रं
 यवाग स यिरु स धी धाल माठ धाल रं मन वाय वयल रं ता ल रं धि यवन
 डकन ॥ १ ॥ आठ मनी कठु चि ॥ साख नय ॥ धिया लिय २ धन वठु चि ॥ वनदाव कायठ ॥

नयाद्वानना ॥ ७ ॥ रुग्णस्वानना कटु

गमयव दवदावृह मनः समेरागेकवः।

१ लेखदं ४ स्वखनं ध्रुवक्राससथं न मदनय

बौद्धनाम

आ आ नारायणं यं हस्तमित्रादी हि

सधस्यं काय खाद न दाव क सी न वालं य ३ हि स्यं वालं नर्मस ३ धा न न क यिरु द न य
 यीट स वा य द ले वा या ना य स र्किं घ् यीट धु धि म लालं र्किं घ् ॥ १ ॥ गाली सिर्मस ३ म न व ३
 धुं ० र यी यिलि १ २ वं गाला व न १ ३ धु
 ल न दा व द क स य धनी डा स न वा
 यिरु वा न या र्किं घ् रु स ना ल था स न
 हा धुं ० स म रु ग म स दा ३ धा न य व स खा नर्मस ३ धा न क १ द द क ३ २ लं ख रुं १ ख न
 हा क व व रु व रु दा न दा व द क स य का य ठ न धा स्यं क ट वा य नर्मस ३ धा न न क यिरु द

२ न कायिक वाक्या रू स या हि द

१३ कविक कलनाग का मस्यासनाग मुनिफल

वनाग्न्यासननंदकन ॥ १ ॥ प्रिकदू प्रिकलागालीसदकडीप्रिसमरागद्विद्विनायुध
 नडासंबदोकोयादगमयुलेखकउ ३धनखेदनस्यकागस्त्रासनागजग्निकनयीठधुद्वि
 ॥ १ ॥ धुं० द्यु० यि० यिलि० सि० यी० गाली
 कउ २ लेखक १ अखेननमस ३ धा
 ॥ १ ॥ धुं० द्यु० २ धनकउ १ धुं० द्युन
 साखनय २ नायखनूद्वलजीवदावृवकसय (धनीडासनवूननहायहिशुहिरीवाल
 डासनधुकम्यालकर्म१ वागककर्म २ लवदववेकर्म॥ यि० यिलि० कर्म॥ धुं० द्यु० कर्म॥ धनवा

नवात्मन दिनयुतिर्मस इवक वात आमवात कागस्त्रास योऽहं लं कयथा लं किं पृथया
 नामनागत्रयं ॥ ७ ॥ गतयस्य दवदान् वात्रमासहा खनहा धीखेठ कवायहा कठ
 त्यजमति शुण्णस्त्रानहा अस्त्रगन्धा मनो मववयियलि सतयक्ष्ण वस्यैव कोस
 वृष्टिं कर्कटासिंह धत समरुग कर्षेदि धात्र काथदाय लखरुं वावास्त्रय
 केठवाय धलखसवेकनरुं नाय द्वाय साददरुं अलीनहारुं २ धस्यखन दुल १८
 जीयर्क स्ववकसय धीखेठशका ग्यानर्कवालाव स्वसलस्य स्वयसनी द्वाय द्वागसा क
 मुनी कयन गीलक्षोय धवकनया पुल वात यिरु (क्षो) दय वमन खाठ के द्वादे ६

वागदि कलक्ष्म गेय वमन खेद ४ द्वाया कदुलल कुव समसीनास

मि

लादूव तंदात दिनटाक विमरुनहा कोलशवरु मन यायत्रय सन्नियान अ० वात
 साधवातगूल अवरुनां कृदु सय सीमाठ ग्या क मिखा ग्या क द्य ग्या क गल ग्या क वाका
 दूमशव मिस्य मनर्कतल योऽहं माघ नाग कामवृद्धि वलवक आत्माथीन
 कयसिद्धि ॥ ७ ॥ धनखनलखरुं २ स योऽहं वायस याक स मावामधलु धदाका
 वलियलिननाग लक्ष्मिर्गमदनया य धीधनं साददकठ २ धनकठ १ डासन गिकदयिय
 लामूल वालाठ अजमाद यमूनि विठम गडा यियलि दिंगु स्ववाहुल वरुवि सीरुनिव
 यियैवक व यवसखान समरुग यतिर्मस इधान वानवाववनहाव द्वाये दुलजी

१ वागदि कलक्ष्म नाग

गङ्गासमद्वीपार्थनाचनान् आलयाचकनश्च

[illegible]

दूधयासकूणिजानवधनकजीवस

कं० सकु २ वृंद लावतया १ मनयूकया १ कासखासया किं ग्य

[illegible]

३ रियलामूल ४ गालीस ३ अवकली लेखक १ साददक १ धननस्य स्वयसकनाग ॥ १ ॥
 धुं १० कर्वा १ मन्त्रवर्मस ४ रियलामूल ३ रियलामूल कर्वा १ लवक ववर्मस ३ लवक ३ यमनि
 ३ हल ३ ३ वनक ३ ३ ज्ञान ३ ३ रिय
 ध्या १ ४ अवकली धननस्य नहामल
 ध ॥ १ ॥ रूना किमि लय जिनिवक
 यवसखात्र १० रियलामूल १० वनक हामस ३ मन्त्रव ३ यस्क नामूल ३ लवक ३ जिनिव ३ य १२
 मनि ३ लवक वव ३ क ३ वसक ३ ३ धनक ३ १ धनक ३ १ यालनाक ३ १ लेखक ३ ३ ध

४ यस्क नामूल ४ रूमीमनाजीयुया १ ४ सादद
 यानमस ३ साददनकास्यीनाने मीहिवायाकि
 नखन वखलिया ॥ १ ॥ धुं १० मस १० रिय १०

नखकनस्य स्वासकासनाग ॥ १ ॥ गालीस मस ३ रियलामूल कर्वा १ धुं १० मन्त्रव १ मसमस
 ३ रियलामूल ३ धुं क म्याल ३ हल ३ क १ रियलामूल १ लवक मस ३ रिय ३ हल ३ क ३ जिनिव ३ य
 मनि ३ अवकली २ खकन कास
 ३ अष्टस्वानका ३ रिय ४ योगक
 लि ४ वनक ३ यस्क नामूल ३ ध
 यागक म ३ धुं क म्याल ३ लवक वव ३ धुं १० कर्वा १ मन्त्रवर्मस ३ रियलामूल ३ यमनि ३ जि
 नि ३ रिय ३ रियलामूल ४ गालीस ३ धनयार्ग साखनय ३ खकनस्य विदावनाग ॥ १ ॥

स्वासनाग ॥ १ ॥ गालीस मस ३ वदियाल
 ४ वनलावन ३ मन्त्रव ३ धुं १० ४ म १० ४ रिय
 क म्याल ३ कागया ३ खनय २ कागनाग ॥ १ ॥

१०३।

कोनाय्या

गुरुगुरु धीं० यस्मिन्नामूल धनदासीनादवान् (श्रीगणेशाय नमः)
॥ कनकविष्णुकञ्जविष्णुमिदं सौधं धननस्य दीय
कनक २३ धनखननय लख १ नार्यखन धनकन

१ यूकवया

उत्पत्तिमावाकादर्थववयाकादमरु ॥ इदमद्वयाइददयकाविधि

नक्षत्रायावयंटाठं अदसनेठने च्छवास अदददने स्ववददने क्कादाव च्छवाअलागसखिसक्कायदधवाः
यं अं गुलियावकी कादने धननददध्वाकलानेख ॥ ७ ॥ सैमिनिईकनहा डरुललुवाउ समराग लेख
ननस्य कस्की क्कादमानकी ड(धं)द(धं)भा वाकाठवयारिं गृ काठमरुन ॥ ७ ॥ व न्ववकी वि
विय मादलुठिवान यावन दूददयकः विधि ॥ ७ ॥ सददवाहा मनाम उहा ऊंसेवस्य सर्व
वागनाल ॥ ७ ॥ वयथा विमिलिनावहा द्वाद सवादवाक द्वादलदासी धाद दालससुवदाः १००
सीलीसैरुय किमवाअमीननसी च्छर्ग गनकी धेनीवलसदूदननयाव वलिनिदयकी धवलिनिमानुष
दूदनवालाव मिखासवालक मीनीस अंअलनडालकी ० न वालमावाठास मिखास वक मययाद द्वादः

नमसाकाया चादा नमालया वलमडायाकिद

स्यववदासीरिं गृ ॥ ७ ॥ गालीसैमिस १ वंनलावन १ जीवि १ रुकजीवि १ सुहान १ ठाठीवि १ धुक म्या
ल १ नूयक म्मन १ लवदवच १ यियिलि २ यियलामूल २ सियि २ विनकदा २ धुं १० २ मवव २ अजमाद
२ र्थठलिस २ यिमूनि २ ववकनदा २ अ जीध २ याल २ साखव १ ३ नमसाक वाठान मा
ल वलमदा धधिं गवाय स गालिष्ठादि गधरिं गृ ॥ ७ ॥ दलठ यियली वी द्वादका धनसम
रागवूनयादेन मिस २ धाव अग्निदीयः क ॥ ७ ॥ ययार्क क्का काकरी गलदा कायाव द्वाद
कानवस्य माठसवस्य नव गलसकाखाय वनव रुगनयनमरु ॥ ७ ॥ वलसदूद स अययालमानख
लायालावमान धूनकाव अययालयादवनवाठ लयनवाय अययालराग ३ सुहाग राग २ धुंका

रुगनयदयाव नमरुयकाया

वलसदूनस्यत्रिभिः (गलकैः) गलविन धवः (गलकन खादू लेखनकायासी का ० विधि ॥ १ ॥ कखदू
 दा ठासीदा वकसिकव धनवासीननस्य वकननगललासी यीठमया य द्वाकसदवसावयरीनीनव
 लयाय द्वाकसदवसा यालीयालीवानः मरुवलकाय ॥ १ ॥ धनवा पुठपुवानसीवानरुव
 ॥ १ ॥ (गलकपुवानसी मृगवधमलवधः कव ॥ साखववानसी विरुदव ॥ कलीवानसी
 कदव ॥ वकवानस अलीठवकनवानः ॥ आमवानस धुठिवान पुठपु कल्यविधि ॥ १ ॥ १०८
 भाव साखव दामल मस १ धव सुनिनवालाठ नसी यकयाठलिमख ॥ १ ॥ सठि वाल कं० गिनि
 साखव समरागन मस २ धव नवालाठ नयायारिग ॥ १ ॥ धीखठ स्वदान मरु ख

विकल माठ आकयिकु लि चदनकिठया एवागिनि कन १०८
 कन पुठपु लेखननसी कलीकाठकान विरुन माठ आली यिकली लीपुठमद्विलीरिग साखवद
 ठयानाखधी ॥ १ ॥ धुठि० मस १ मवव अरियालि ३ नूयकगव ४ यानक ३ लवदखव २ पुकम्याल १
 साखव २४ धनवूनयाठनमस ३ धव वागयिरुदव अग्निमन्दनाल वलयुष्टिकव समस
 कवयुष्टि ॥ १ ॥ गालीसमस ३ वंगलाव न ३ जीवि ३ लवद ३ मवव ३ रियालि ३ धुठि० ३ लव
 कवव ३ नूयकगव ३ पुकम्याल ३ यानक समराग साखववद्वि आसनवद्वि वागयिरुनासव
 विकव अग्निकव ॥ १ ॥ धुठि० मस ३ विठसय ३ यल्लाठ ३ कलीधठखला ३ मवय ३ डरुल ३ अजमा
 द ३ कठवसकव ३ यिष्टिमिदि ३ कलीनवालन अग्निमन्दनयीन आकयारिगव विकव ॥ १ ॥ रिपु

चुचिकाने गालिभादिगन

२ रुसया अग्निर्मदयाहिंद ॥

युर्मस २ यस्तगामूल उर्युनि उरुलउ उर्यध २ वरुवि २ सुवाकल २ यियलि उर्यु ० ३ युमनि उर्यु ०
धालि धवलि रिष कसीनवालन ॥ ७ ॥ सुयदव ॥ ७ ॥ गालीसर्मस ३ वसलावन ३ यियलि उर्यु ०
३ मलव ३ जीवि ३ युमनि ३ चला ३ लव
चुचिकाने गालिभादिगन ॥ ७ ॥ यियलि
रुलउ २ धनचुनयाद धनिसीसहास्य
यस्तगामूल उरुलउ उर्यु २ वरुवि २ सुवाकल २ धनचुनयाद स्वर्मसधन सधनवले धनानीस
हासीनाद यीठ धालि धवलि अग्निमन्द सारु ॥ ७ ॥ यियलि रुलउ र्यु २ यिमनि काकलेख

द ३ लवेदव ३ रुलउ ३ अरुल ३ साखनधस ३
मस २ र्यु ० २ अतियस २ हिंदु २ व २ सुवाकल २
नव रुसया अग्निमन्दयारु ॥ ७ ॥ हिंदुर्मस १ १०६

॥ माचामदयकाविधि ॥

यस्तसीनाद अग्निमन्दयारु ॥ ७ ॥ रुलउ वरुकादा यियलि र्यु २ धनचुनयाद धनकाथदासीनान अग्नि
मन्दयारु ॥ ७ ॥ यीठसमाचामदयकविकिसाकासीद ॥ खकनदा स्वतमवव सुतयुंज वरुका
दा रुकजीवि रागीहा काकनदा स्वटनन
नख ॥ ७ ॥ खटकायदा खखलदा युनि
सकववकादु निसीस्विकुटांनानक गर्हस
वसाकयाखायासुनखालयादाव धखालन धनडासबद्धककासीना धर्मनीकादु निसीनानकेदि
न उमउरुनकासी धननगर्हसमदानख ॥ ७ ॥ चुवायिबीखानदा ककुविदा दुकखानदा रुकाकि

मीहा समराग बाधसहास्यभाददिन ३ मासिकशुक्रवासी गरुसमदायक ॥ ७ ॥ अयामागदा वनकः
 हा जियधसहास्यनवठानदिन ३ मासिकशुक्रवासी गरुसमदायक ॥ ७ ॥ द्वैविदिनामस २ दाकडी
 वि २ मवव (गमठ ३) धनं लेखननसी मठः
 द्वैविदिनामस २ अठकाकनदा २ मवव
 रुसदमरुग ॥ हंसयावदा मस २ यिव
 ननसीनानदिन ७ सवीवसदयादकुलसन लसमठमश लमानकननाने मठशयक यथखदवख ॥
 ७ ॥ कयलिकस्वानदाष्ट १ अयवादिनहामस २ हंसयालदा २ वनकदा २ वकन असा २ धनंयूसदाः



